रांची, शुक्रवार
14.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 253, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

उपराष्ट्रपति ने केन्याई संसदीय प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को भारत की द्विपक्षीय यात्रा पर आए केन्या के नेशनल असेंबली के अध्यक्ष डॉ. मूसा एम. वेटांगुला के नेतृत्व वाले संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों, डिजिटल प्रौद्योगिकी, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। उपराष्ट्रपति ने भारत और केन्या के बीच करीबी संसदीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तकनीकी समाधान और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना अनुभव केन्या के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने पेपरलेस संसद की दिशा में डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल में भारत के अनुभव की जानकारी भी दी। उन्होंने केन्या की नेशनल असेंबली परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव की सराहना की।

संसद के मानसून सत्र में 12 विधेयक पारित: संसदीय कार्यमंत्री

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र भले गतिरोध के चलते हंगामे की भेंट चढ़ गया लेकिन सरकार 12 विधेयक पारित कराने में सफल रही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि संसद के मानसून सत्र के दौरान कुल 12 विधेयक पारित हुए लेकिन विपक्ष के लगातार विरोध और व्यवधान की वजह से इन पर चर्चा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही। उन्होंने बताया कि लोकसभा में 11 विधेयक और राज्यसभा में 2 विधेयक पेश किए गए। वहीं, लोकसभा ने 12 विधेयक पारित किए तथा राज्यसभा ने भी 12 विधेयक पारित किए या लौटाए। रिजिजू ने दावा किया कि सरकार सदन में चर्चा के लिए तैयार थी और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहती थी लेकिन विपक्ष ने चर्चा से बचने का रास्ता अपनाया। लोकसभा की उत्पादकता 19 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही। लोकसभा बाधित रहा लेकिन राज्यसभा में कुछ विपक्षी पार्टियों के वॉकआउट के बावजूद कुछ विपक्षी सदस्यों ने बहस में हिस्सा लिया।

खान और खनिज संशोधन विधेयक राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित, संसद की लगी मुहर

विधेयक के प्रावधानों से राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा:मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्यसभा ने गुरुवार को खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है जिससे इसे संसद की मंजूरी मिल गयी है।

सदन ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने के द्रमुक के तिरूचि शिवा के प्रस्ताव तथा कुछ अन्य सदस्यों के विधेयक के प्रावधानों में संशोधन के प्रस्तावों को भी ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया। कांग्रेस के सदस्य विधेयक पर चर्चा के दौरान राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर नारेबाजी करते रहे।

खान मंत्री जी किशन रेड्डी के विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा पर जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इससे पहले सभापति ने जरूरी विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद सदस्यों को बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने सत्र का आज अंतिम दिन होने के मद्देनजर सुबह शून्यकाल और प्रश्नकाल की कार्यवाही की जगह खान और खनिज विधेयक को पारित कराने के प्रस्ताव का नोटिस दिया है। उन्होंने इस बारे में सदन की राय जानने के बाद श्री रेड्डी को विधेयक पेश करने के लिए कहा। कांग्रेस और विपक्ष के अन्य सदस्यों ने इसका विरोध किया लेकिन सभापति ने विधेयक पर चर्चा शुरू करा दी।

श्री रेड्डी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक के माध्यम से केन्द्र सरकार राज्यों के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश में रोजगार और विकास के लिए खनिज महत्वपूर्ण है और विधेयक के प्रावधानों से राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा और उनका राजस्व बढेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र को देशहित में खनिजों के विनियमन का अधिकार है। उन्होंने कहा कि विधेयक का उद्देश्य पूरे देश में कर और शुल्क की राशि में असमानता को खत्म कर एकरूपता लाना है।

उन्होंने राज्यों को आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ देश हित में काम करेगी और उनके अधिकारों में दखल नहीं दिया जायेगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार सूक्ष्म खनिजों के मामले में दखल नहीं करेगी और वह केवल मुख्य खनिजों पर ही ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत को दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्होंने पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में हर राज्य को कोयले से 65 प्रतिशत राजस्व मिलता था लेकिन राजग सरकार में यह बढकर 85 प्रतिशत हो गया है। विधेयक के माध्यम से राज्यों के खनिज अधिकारों और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने की शक्तियों पर पाबंदियां लगाई गई हैं। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के कथन में कहा गया है कि किसी उचित सीमा के अभाव में राज्यों द्वारा असमान रूप से कर और अन्य शुल्क लगाने से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। इनमें खनन क्षेत्र पर कर का भारी बोझ, खनन कार्य शुरू होने के बाद अचानक और अप्रत्याशित रूप से कर, उपकर और अन्य शुल्क लागू कर देना, खनिज उत्पादन या उसके डिस्पैच पर कई तरह के कर और शुल्क लगाना, अलग-अलग राज्यों में कर की अलग-अलग दरें, और ऐसे कर तथा लेवी को पिछली तारीख से लागू करना शामिल है। विधेयक में कहा गया है कि इन समस्याओं से खनन की लागत बढ़ती है, खनिजों की निकासी के काम को बढ़ावा नहीं मिलता और खनन कार्य व्यावसायिक रूप से अव्यावहारिक हो सकते हैं। यह विधेयक इन समस्याओं को दूर करने का प्रयास करता है।

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। भारी हंगामे और गतिरोध के बीच संसद के दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया। भारी हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। आज मानसून सत्र का आखिरी दिन था। आमतौर पर सदन की कार्यवाही शाम तक चलती है लेकिन आज लगभग 11 बजकर 5 मिनट पर कार्यवाही स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह भी पहुंचे। 20 जुलाई के बाद पहली बार अमित शाह सदन में नजर आए। वहीं, राज्यसभा में मानसून सत्र के आखिरी दिन खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए कथित शुद्धिकरण कार्यक्रम का मुद्दा उठाया। इसके तत्काल बाद राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

खनिज कानून के खिलाफ झारखंड करेगा बड़ा आंदोलन : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के खनिज और जमीन पर अधिकार से जुड़े फैसले दिल्ली में बैठकर नहीं लिए जा सकते। केंद्र सरकार का यह फैसला झारखंड और झारखंडियों के हितों के खिलाफ है।

हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स के जरिये गुरुवार को कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में जल्दबाजी में विधेयक पास कराया गया है। इससे झारखंड के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश की गई है। उन्होंने इसे झारखंड के विकास और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर बड़ा हमला बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के पास देश की खनिज संपदा का बड़ा हिस्सा है। खनिज झारखंड का है और जमीन झारखंड की है, ऐसे में राज्य के हक और अधिकार से जुड़े फैसले दिल्ली क्यों करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड केंद्र का यह सौतेला व्यवहार स्वीकार नहीं करेगा।

हेमंत सोरेन ने दावा किया कि इस कानून का असर राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इससे मईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। इससे करोड़ों लोगों के हित प्रभावित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इस विधेयक का हर स्तर पर विरोध करेगा। अगर केंद्र सरकार ने विधेयक वापस नहीं लिया तो राज्य में बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को हर जिले, प्रखंड, पंचायत और शहर तक ले जाया जाएगा। हेमंत सोरेन ने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार झारखंड और झारखंडियों के अधिकारों को वापस नहीं करती है तो राज्य निर्णायक और ऐतिहासिक फैसले लेने से भी पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा।

जेपीएससी मामले में सात आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पांच जिलों में सीआईडी ने की छापेमारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़े सीआईडी थाना कांड संख्या 16/2026 में वांछित सात आरोपितों की गिरफ्तारी और वारंट के तामिला के लिए सीआईडी की टीम ने राज्य के पांच जिलों में छापेमारी की।

सीआईडी ने रांची नामकुम स्थित पेप्सी ग्रांउड आदित्य पाण्डेय, रांची के टाटीसिल्वे स्थित हरिनगर पवन कुमार सिंह, पलामू के हरिनगर स्थित रविशंकर कुमार, पलामू के हमीदगंज संतोष कुमार सिंह, बोकारो स्टील निवासी सानन्द प्रकाश, हजारीबाग के कोर्रा निवासी लालू कुमार यादव, गिरिडीह के बेंगाबाद निवासी सौरभ कुमार पाण्डेय की गिरफ्तारी एवं वारंट तामिला के लिए सीआईडी टीम की ओर से विभिन्न जिलों में छापामारी की गई है।

सीआईडी की टीम अनुसंधान के क्रम में प्राप्त ओएमआर कार्बन कॉपी का मिलान और स्क्रूटनी की प्रक्रिया साक्ष्य संकलन के लिए जांच कर रही है।

मामले में अनुसंधान सतत रूप से जारी है और साक्ष्यों के आधार पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी सहित पांच को ईडी का समन

बिभा संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह सहित पांच लोगों को समन जारी किया है। ईडी ने जिन पांच लोगों के खिलाफ समन जारी किया है, उसमें एलबी सिंह के तीन रिश्तेदार और अनिल गोयल से जुड़े दो लोग शामिल है। ईडी ने समन जारी कर एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, भाई विश्वविजय सिंह और साले रंजीत कुमार सिंह को समन जारी किया है।

अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को समन जारी किया गया है। एलबी सिंह की पत्नी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में 20 अगस्त को बुलाया गया है। विश्वविजय सिंह के 14 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह को 17 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है।

अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को भी अगले सप्ताह हाजिर होने का निर्देश दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के खिलाफ दूसरे दौर की छापेमारी की थी। इसके दायरे में चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था।

छापेमारी के दौरान एलबी सिंह से जुड़े 160 करोड़ रुपये के निवेश को फ्रीज कर दिया गया था। इसके अलावा विभिन्न ठिकानों से 200 से अधिक सेल डीड जब्त किये गये थे। छापेमारी में मिले सेल डीड की जांच जारी है।

संसद के मानसून सत्र में सरकार के कई विधेयकों रोकने को जीत बताते हुए कांग्रेस ने कहा, बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी एकता और दबाव के कारण सरकार के कई महत्वपूर्ण विधेयकों को आगे नहीं बढ़ा पाने को अपनी बड़ी उपलब्धि बताया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि एक देश, एक चुनाव विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक और 130वां संविधान संशोधन विधेयक इस सत्र में नहीं आ सके, जबकि एफसीआरए संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया। हालांकि, उन्होंने खान और खनिज तथा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से जुड़े संशोधन विधेयकों के बिना चर्चा पारित होने पर चिंता जताई।

जयराम रमेश ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि साल 2026 का मानसून सत्र पूरी तरह ठप (वॉशआउट) रहा। उन्होंने इसकी तुलना 2015 के मानसून सत्र से करते हुए कहा कि उस समय व्यापम घोटाला प्रमुख मुद्दा था और इस बार नीट तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मुद्दे रहे। उनके मुताबिक, 11 साल बाद भी छात्रों और युवाओं से जुड़े ऐसे मुद्दे संसद के सामने बने हुए हैं।

रमेश ने कहा कि इस सत्र में विपक्षी दलों के बीच एकजुटता देखने को मिली। 18 दिनों तक विपक्ष के फ्लोर नेताओं की रोज बैठक हुई और हर दिन की रणनीति तय की गई। विपक्ष ने जिन मुद्दों को लेकर सरकार पर दबाव बनाया, उनमें से कई पर सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े या विधेयकों को आगे बढ़ाने में देरी हुई।

उन्होंने कहा कि पहली बड़ी उपलब्धि एक देश, एक चुनाव विधेयक का इस सत्र में नहीं आना है। इस विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट अभी नहीं आई है और अब इसके शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

रमेश ने दूसरी उपलब्धि के तौर पर विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक को बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक विश्वविद्यालयों के कामकाज में अत्यधिक केंद्रीयकरण को बढ़ावा देता है। विधेयक से जुड़ी संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट भी इस सत्र में पेश नहीं हुई और इसे अगले सत्र तक टाल दिया गया।

राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप एवं पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को वर्ष 2024 और 2025 के लिए 100 से अधिक प्रख्यात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कलाकार भारतीय परंपरा के वाहक होने के साथ हमारी सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की दृष्टि के सृजनकर्ता हैं।

इस अवसर पर रामलाल बरेठ, ए.वी. आनंद, रीता गांगुली, पुरु दधीच, चित्तरंजन ज्योतिषी, पसुमार्थी रत्तैया शर्मा और सुधरानी रघुपति सहित सात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप से अलंकृत किया गया।

वर्ष 2024 के लिए संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोक एवं जनजातीय कला सहित विभिन्न क्षेत्रों के 54 कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें बांसुरी वादक राकेश चौरसिया, अभिनेता अरुण नालवड़े और लोक नृत्यांगना गुलाबी सपेरा सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।

वर्ष 2025 के लिए भी विभिन्न कला विधाओं से जुड़े 54 कलाकारों को अकादमी पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें भरतनाट्यम की कलाकार रोजा कन्नन, कथक से जुड़े कृष्ण मोहन मिश्रा महाराज, रंगमंच निर्देशक कपिलदेव चंद्रकांत शुक्ला और लोक संगीत कलाकार भेरू सिंह चौहान सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि आज सम्मानित किए गए कलाकार सामूहिक रूप से देश का सांस्कृतिक मानचित्र प्रस्तुत करते हैं। यह मानचित्र देश की मिट्टी से जुड़ी कहानियों और गीतों, विविध नृत्य एवं त्योहारों तथा सदियों से विकसित भाषाओं और बोलियों की स्मृतियों से बुना हुआ है।

उन्होंने कहा कि देश में संगीत की अनेक परंपराएं, विभिन्न नृत्य शैलियां और लोक रंगमंच की अनगिनत विधाएं मौजूद हैं। भारतीय संस्कृति की जड़ें प्रकृति से गहराई से जुड़ी हैं। देश की विविध खानपान परंपराओं, पहनावे, नृत्य और संगीत में प्रकृति की प्रेरणा दिखाई देती है। कलाकार पक्षियों के कलरव, झरनों की ध्वनि, पेड़-पौधों, बादलों और नदियों से प्रेरणा लेकर अपनी कला को अभिव्यक्ति देते हैं। विविधता और एकता का यह संबंध भारतीय कलाओं की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की विविध कला विधाओं के संरक्षण और विकास में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में गुरु सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक के समान होते हैं। तेजी से बदलते समय में अनेक लोक कला विधाएं विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं। इसलिए इन कलाओं का दस्तावेजीकरण करने के साथ-साथ उन्हें जीवित रखने के लिए विशेष प्रयास किए जाने जरूरी हैं। उन्होंने संगीत नाटक अकादमी की ओर से इसी उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे ह्यकला-दीक्षाह्न कार्यक्रम की सराहना की और वरिष्ठ कलाकारों से अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए व्यवस्थित प्रयास करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रकृति कला के मूल्यों और संवेदनाओं के माध्यम से जीवन को समृद्ध बनाने का सबसे स्वाभाविक प्रशिक्षण स्थल है। लोक और जनजातीय कलाएं जीवन के प्रति स्वाभाविक उत्साह तथा प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को दशार्ती हैं। इन कलाओं में समुदाय की स्मृति और सामूहिक चेतना सहज रूप से अभिव्यक्त होती है। इसी कारण लोक कलाएं भारत की सांस्कृतिक पहचान की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।

राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी कलाकारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा के वाहक के रूप में ये कलाकार हमारी सामूहिक स्मृति के संरक्षक होने के साथ भविष्य की दृष्टि के निमार्ता भी हैं।

उन्होंने कहा कि संगीत नाटक अकादमी को भारत की ह्यसॉफ्ट पावरह्न के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में माना जाता है। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि अकादमी आने वाले समय में भी भारत की सांस्कृतिक ऊर्जा से पूरी दुनिया को समृद्ध करती रहेगी।

झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सांसदों ने छात्रों के साथ कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। भाजपा ने कहा कि छात्रों की न्याय की लड़ाई अब राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं है और पार्टी उनकी आवाज संसद तक पहुंचा रही है।

इस दौरान साहू ने कहा कि झारखंड में पिछले 20 दिनों से छात्र आंदोलनरत हैं। यहां कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है और सात सालों से कांग्रेस, झामुमो द्वारा नौकरियों को बेचा जा रहा है। राहुल गांधी में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें दिल्ली से ट्वीट-ट्वीट खेलने की बजाय झारखंड आकर छात्रों-युवाओं से बात करनी चाहिए। साथ ही सीएम हेमंत सोरेन सरकार से उन्हें दो टूक बात करनी चाहिए कि छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को सरकार अविलंब पूरी करे। अगर सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें छात्रों के साथ अनशन पर बैठना चाहिए।

साहू ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो झारखंड के युवाओं के हक अधिकार को छीनने का काम कर रही है। जबकि भाजपा छात्रों के अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल है कि झारखंड के छात्रों पर लाठियां बरसीं, फिर भी आपकी चुप्पी आखिर किसके पक्ष में है? दिल्ली और झारखंड के छात्रों के साथ आपका दोहरा रवैया क्यों ? उन्होंने कहा कि बंदर को सभी बंदर ही नजर आते हैं। यही हाल कांग्रेस पार्टी के नेताओं का है।

सिल्ली पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, अस्पताल की व्यवस्थाओं का

बिभा संवाददाता

सिल्ली : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी का गुरुवार को सिल्ली आगमन पर कांग्रेस कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन कर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग रखी। स्वागत समारोह के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सिल्ली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। साथ ही आवश्यक सुधार एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेंद्र नाथ गोस्वामी, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव मंजूर मोमिन, सैय्यद कमर आलम, भर्गीरथ महतो, शमशेर आलम, मो. कलाम, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, सिल्ली विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास रजक, पंचायत अध्यक्ष बिंदेश्वर महतो, मो. खलील, सदानंद सोनार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड के हक और अधिकारों पर बड़ा हमला, संसद में विधेयक पारित होना राज्य के लिए काला दिन: संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : विधायक संजीव सरदार ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह विधेयक झारखंड के खनिज संपदा और राज्य के अधिकारों को कमजोर करने वाला है। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती से निकलने वाले खनिजों पर पहला अधिकार झारखंड की जनता और राज्य का होना चाहिए।

विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार पर झारखंड का लगभग 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये का बकाया है, जिसका भुगतान अब तक नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ह्लजब पहले से ही झारखंड के हक का इतना बड़ा बकाया केंद्र सरकार नहीं दे रही है, तो इस विधेयक के बाद राज्य के अधिकार और राजस्व दोनों को और कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड अपने संवैधानिक अधिकारों और खनिज संपदा पर राज्य के हक की लड़ाई मजबूती से लड़ेगा। जल, जंगल और जमीन के साथ झारखंड की खनिज संपदा भी यहां की जनता की है और इसके अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि इस विधेयक का असर राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी पड़ सकता है। सामाजिक सुरक्षा के साथ ही मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, उन्नति का पहिया और सर्वजन पेंशन जैसी योजनाओं के लिए राज्य के राजस्व संसाधन महत्वपूर्ण हैं। खनिज राजस्व और राज्य के अधिकार कमजोर होने से आने वाले समय में ऐसी जनहितकारी योजनाओं के संचालन और विस्तार पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

डिमना लेक में रेल सिविल डिफेंस टीम ने सीखा जल आपदा में रेस्क्यू का हुनर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जल दुर्घटनाओं, बाढ़ और डूबने की घटनाओं के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव अभियान चलाने के लिए रेल सिविल डिफेंस टीम को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। गुरुवार को डिमना लेक में आयोजित वाटरमैनशिप प्रशिक्षण के दौरान सिविल डिफेंस के जवानों एवं स्वयंसेवकों ने जल बचाव की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जल में सुरक्षित तरीके से उतरने, तैराकी, लाइफ जैकेट के इस्तेमाल, रस्सी के जरिए रेस्क्यू, नाव संचालन और डूब रहे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीक सिखाई गई। इसके साथ ही प्राथमिक उपचार और सीपीआर का प्रशिक्षण भी दिया गया। आपात स्थिति में टीम के सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल और तत्काल निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए विभिन्न परिस्थितियों पर आधारित मॉक ड्रिल कराए गए। संतोष कुमार ने बताया कि कई जल दुर्घटनाओं में स्थानीय मछुआरे भी बचाव कार्य में सहयोग करते हैं, लेकिन आपदा की स्थिति में व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने के लिए विशेष प्रशिक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से रेल सिविल डिफेंस के जवानों और स्वयंसेवकों को नियमित रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर वे रेलवे के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के राहत एवं बचाव अभियानों में भी सहयोग कर सकें।

वाटरमैनशिप प्रशिक्षक मजरूल बारीक और उनकी टीम ने प्रशिक्षण के दौरान जल बचाव की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामान का इस्तेमाल कर वैकल्पिक बचाव उपकरण तैयार करने की जानकारी भी दी गई। खाली ड्रम, प्लास्टिक की बोतल और गैलन की मदद से अस्थायी फ्लोटिंग उपकरण तैयार कर उनका इस्तेमाल करते हुए रेस्क्यू का अभ्यास कराया गया।

इस दौरान टीमवर्क, आपसी समन्वय, सुरक्षा मानकों और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई को विशेष महत्व दिया गया।

सिविल डिफेंस डेमोंस्ट्रेटर कल्याण कुमार साहू ने प्रशिक्षक मजरूल बारीक एवं उनकी टीम का आभार जताया और प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में संतोष कुमार, अनिल कुमार सिंह, कल्याण कुमार साहू, शंकर कुमार प्रसाद, रितेश गुहा, संजय कुमार, गीता कुमारी कंचन, बीरेन्द्र, शंकर, पुराण, सागर, प्रशांत, अनूप, स्वर्णजीत, अमित कुमार, बलिराम, गुलशन कुमार समेत रेल सिविल डिफेंस टीम के करीब 25 सदस्य एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे।

कदमा की भाटिया बस्ती में 24 वर्षीय युवक ने फंदे से झूलकर दी जान

जमशेदपुर। कदमा थाना अंतर्गत भाटिया बस्ती में गुरुवार को 24 वर्षीय युवक सुशील कुमार का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कदमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया कि सुशील कुमार मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउदनगर का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से भाटिया बस्ती में किराए के मकान में रह रहा था। करीब एक महीने पहले ही उसने कपाली के डोबो स्थित एक शराब दुकान में काम करना शुरू किया था। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात वह शराब दुकान में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद भाटिया बस्ती स्थित कमरे पर लौट आया था। गुरुवार सुबह जब वह निर्धारित समय पर काम पर नहीं पहुंचा तो दुकान के कर्मचारियों और परिचितों को चिंता हुई। इसके बाद कुछ लोग उसकी तलाश करते हुए किराए के कमरे पर पहुंचे। कमरे के अंदर सुशील का शव पंखे से फंदे के सहारे लटका मिला। इसके बाद तत्काल घटना की सूचना कदमा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

बेड़ो थाना व नरकोपी थाना परिसर में 15 अगस्त को होगा झंडोत्तोलन

बेड़ो/नरकोपी(बिभा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर 15 अगस्त 2026, शनिवार को बेड़ो एवं नरकोपी थाना परिसर में झंडोत्तोलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर बेड़ो एवं नरकोपी थाना परिवार की ओर से क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों को सादर आमंत्रित किया गया है। बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में थाना परिवार के साथ क्षेत्रवासी भी शामिल होंगे। वहीं, नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टंडु ने भी क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर स्वतंत्रता दिवस की गरिमा बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9 बजे सुबह दोनों थाना परिसर में किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा। थाना प्रभारियों ने क्षेत्रवासियों से निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर राष्ट्रीय पर्व में सहभागिता निभाने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

टांगरबसली मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, स्कूली बच्चों ने फहराया देशभक्ति का परचम

मांडर(बिभा) : आजादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत टांगरबसली मंडल अंतर्गत बूढ़ा महादेव खुखरा सेल के समीप से मॉर्डन इंटरनेशनल स्कूल बुद्धखुखरा के स्कूली बच्चों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा बइंझला से शुरू होकर बुड़हाखुखरा तक पहुंची। हाथों में तिरंगा लिए स्कूली बच्चों ने देशभक्ति के नारों के साथ पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। बच्चों के जोश और उत्साह ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर टांगरबसली मंडल अध्यक्ष पुरंजय महतो, महामंत्री उपेंद्र महली, संजय सिन्हा, प्रदीप महली, प्रदीप केवट, शिवशंकर साहू, दिलीप सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। यात्रा में शामिल होकर सभी नेताओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मंडल अध्यक्ष पुरंजय महतो ने कहा कि इस तरह की तिरंगा यात्रा से बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है और हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह इसके सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहे। महामंत्री उपेंद्र महली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान को सफल बनाने के लिए स्कूली बच्चों की भागीदारी सराहनीय है। यह यात्रा न केवल स्वतंत्रता दिवस का संदेश देती है, बल्कि नई पीढ़ी को देश सेवा के लिए प्रेरित भी करती है।

उसुर्लाइन स्कूल मुरी में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों ने देशभक्ति एक्शन सॉन्ग से बांधा समां

मुरी(बिभा): उसुर्लाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल मुरी में गुरुवार को कक्षा 1 से 3 तक के छात्र-छात्राओं के लिए देशभक्ति एक्शन सॉन्ग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में नन्हे बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। तिरंगे की वेशभूषा में सजे बच्चों के जोश और अभिनय ने सभी का मन मोह लिया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को हमारे राष्ट्र, उसके मूल्यों, एकता और समृद्ध विरासत के बारे में आनंददायक और रचनात्मक तरीके से सीखने का अवसर मिला। इस प्रतियोगिता ने बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास, तालमेल और अपनी मातृभूमि के प्रति गर्व की भावना विकसित करने में भी मदद की। उनके ऊजार्वान प्रस्तुतियों में देश के प्रति उनका प्यार और शिक्षकों के समर्पित प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। इस अवसर पर सिस्टर प्रिंसिपल मीनाक्षी नायक ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में देशभक्ति की भावना जगाने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में स्तनपान सप्ताह व नेशनल लाइब्रेरियन डे मनाया गया

बिभा संवाददाता

मांडर। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के अंतर्गत सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्दरी में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष की थीम ह्लजीवन की टिकाऊ शुरूआत के लिए स्तनपान : जो कारगर है उसे मजबूत करेंह्व रही। सप्ताहभर चले कार्यक्रम में नर्सिंग विद्यार्थियों ने पोस्टर, भाषण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से स्तनपान के महत्व का संदेश दिया।

कार्यक्रम में माताओं को जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराने तथा छह माह तक केवल मां का दूध देने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों ने बताया कि मां का दूध नवजात के लिए संपूर्ण पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है और संक्रमण से बचाव में सहायक होता है। समापन पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने स्तनपान को बढ़ावा देने और माताओं को आवश्यक सहयोग देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष छवि सिन्हा, सचिव नितिन पराशर, शैक्षणिक सचिव डॉ. दीपाली पराशर, उप-प्राचार्या अंजेला गाड़ी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

वहीं, भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्दरी में बुधवार को नेशनल लाइब्रेरियन डे उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर, डीएसडब्ल्यू उपेंद्र उपाध्याय, आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गुप्ता, लाइब्रेरियन प्रतिमा जायसवाल, संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ. एसआर रंगनाथन की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया।

डॉ. दीपाली पराशर ने कहा कि डॉ. रंगनाथन ने भारत में पुस्तकालयों के आधुनिक स्वरूप को परिभाषित किया। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान के जीवंत केंद्र हैं, जो शिक्षा और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपेंद्र उपाध्याय ने विद्यार्थियों के जीवन में पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं मनोज कुमार गुप्ता ने आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का समापन लाइब्रेरियन प्रतिमा जायसवाल के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

अपराध नियंत्रण के लिए 90 दिन की कार्ययोजना बनाने की मांग, जेएचआरसी ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड मानवाधिकार सम्मेलन (जेएचआरसी) ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। संगठन के मनोज मिश्रा ने बताया कि जमशेदपुर शहर सहित जिले में हत्या, छिनतई, लूट, रंगदारी, महिला अपराध, नशे के कारोबार और अन्य गंभीर आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 90 दिनों की स्पष्ट कार्ययोजना और समयसीमा तय की जानी चाहिए।

ज्ञापन में कहा गया है कि मई से जुलाई 2026 के बीच हत्या, चेन छिनतई, गोलीबारी, चाकूबाजी, रंगदारी और लूट की कई घटनाएं सामने आई हैं। कदमा में महिला से चेन छिनतई, उलीडीह में हत्या, बिष्टुपुर के डीडी बार के बाहर हिंसक घटना में हिमांशु सिंह की मौत, साकची में चाकूबाजी तथा परसुडीह और सीतारामडेरा में लूट व रंगदारी से जुड़ी घटनाओं का हवाला दिया गया है। संगठन ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारियों के बावजूद लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। जेएचआरसी ने अपराध रोकने के लिए थाना स्तर से लेकर वरीय अधिकारियों तक जवाबदेही तय करने, रात्रि गश्ती मजबूत करने, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी, अवैध हथियार और नशे के कारोबार पर कार्रवाई तथा सामुदायिक पुलिसिंग को प्रभावी बनाने की मांग की है।

फेडरेशन कप पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जमशेदपुर के 44 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। देश के सबसे प्रतिष्ठित पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन इंडिया की ओर से 20 से 23 अगस्त 2026 तक फेडरेशन कप नेशनल अंडर-डेवलपमेंट एवं एलीट पावरलिफ्टिंग, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का आयोजन पश्चिम बंगाल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जमशेदपुर से झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के 44 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खिलाड़ियों की सूची झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के महासचिव कन्हैया कुमार सिंह की ओर से गुरुवार को पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन इंडिया के महासचिव दुर्गेश राजोरिया को भेजी गई है। प्रतियोगिता में जमशेदपुर से शामिल होने वाले खिलाड़ियों में अनोखी भगत, पीयूष शेखर, यश कुमार, अभिनव निखिल टोप्पो, सृति पॉल, विहान कुमार, मोहित रंजन, कन्हैया कुमार सिंह, मनीष कुमार चौहान, दीपशिखा कुमारी, रेनू कुमारी, महेश मिश्रा, अंकित कुमार सिंह, इशिका पालित, अजय कुमार, ध्रिमन दास, नीरेश शर्मा, तहिन दत्ता, जगजीत सिंह, मृत्युंजय पाठक, देवराज कुमार, विकास कुमार मुखी, पी. पद्मा, रविनब्रा नाथ महतो, हिमाद्री भकत और राकेश शामिल हैं। इसके अलावा काजल किरण पटेल, बिद्युत सरकार, भूपेश कुमार महतो, ज्योति पटेल, ताहिरा खातून, निखत परवीन, आयशा परवीन, अमीना अल्जा, ताकेर आलम, प्रीति कुमारी, रीबा खान, शिफा सारा, गौरव सिंह, शिवम कुमार, पुष्कर कुमार, देवजानी सरकार, प्रद्युत सरकार और एम. मुंडा भी जमशेदपुर की टीम का हिस्सा हैं।ट टीम के प्रबंधन की जिम्मेदारी मुस्कान फातमा को टीम मैनेजर के रूप में दी गई है। झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के महासचिव कन्हैया कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। जमशेदपुर से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के चयन से स्थानीय पावरलिफ्टिंग खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह है।

गोल्ड जीतकर लौटी डीएवी बेड़ो की खो-खो बेटियों का भव्य स्वागत, खिलाड़ियों और कोचों को किया गया सम्मानित

नेशनल का टिकट हासिल कर लौटी अंडर-19 टीम, सितंबर में चेन्नई में खेलेगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

बिभा संवाददाता

बेड़ो। डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में सीबीएसई क्लस्टर-3 खो-खो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विजेता बनी अंडर-19 गर्ल्स टीम के बेड़ो लौटने पर विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय का माहौल उत्साह और गौरव से भर गया।

विद्यालय की अंडर-19 गर्ल्स खो-खो टीम ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर माह में चेन्नई, तमिलनाडु में होगा। वहीं विद्यालय की अंडर-17 गर्ल्स टीम ने भी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रौशन किया। विजेता खिलाड़ियों के विद्यालय पहुंचने पर छात्र-छात्राओं ने तालियों की गड़गड़ाहट, पुष्पवर्षा, तिलक एवं आरती के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। टीम के कोच जयंतो चौधरी, निर्मला लकड़ा एवं आदित्य कच्छप को भी उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार-झारखंड में अंडर-19 वर्ग में विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने प्रतियोगिता में एक भी मैच नहीं हारा और स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने कहा कि रांची जिले के किसी भी स्कूल की टीम अब तक इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई है, जो विद्यालय के लिए बेहद गर्व की बात है।

प्रधानाचार्य ने खिलाड़ियों, कोचों एवं शिक्षकों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि जब अधिकांश बच्चे गर्मी की छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, उस समय टीम के खिलाड़ी प्रतिदिन विद्यालय पहुंचकर अभ्यास कर रहे थे। उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम आज मेडल और ट्रॉफी के रूप में सामने आया है।

उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करने की शुभकामना देते हुए कहा कि नेशनल स्तर पर खेलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, लेकिन टीम का लक्ष्य वहां भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर लौटना होना चाहिए।

समारोह में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह, गर्व और खुशी का माहौल बना रहा।

संस्कृति ज्ञान महाअभियान का भव्य उद्घाटन, भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से परिचित होंगे विद्यार्थी

बिभा संवाददाता

बेडो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बेड़ो के प्रांगण में गुरुवार को संस्कृति ज्ञान महाअभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार राम ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके साथ ही विद्यालय में महाअभियान की शुरूआत हुई।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार राम ने संस्कृति ज्ञान महाअभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में भारतीय संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के जीवन चरित्र तथा श्रेष्ठ राष्ट्रीय परंपराओं से आने वाली युवा पीढ़ी एवं समाज के लोगों को परिचित कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 13 से 28 अगस्त तक पूरे देश में संस्कृति ज्ञान महाअभियान के तहत समाज के लोगों को इससे जोड़ा जाएगा। अभियान के माध्यम से संस्कृति ज्ञान पर आधारित पुस्तक भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि लोग भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र के गौरवपूर्ण इतिहास को बेहतर ढंग से समझ सकें। इसी उद्देश्य से विद्यालय परिसर से महाअभियान का श्रीगणेश किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार राम के अलावा आचार्य नीरज मिश्रा, संजय कुमार, राज कुमार मुंडा सहित विद्यालय के दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं सैकड़ों भैया-बहन उपस्थित थे।

एमएमडीआर संशोधन विधेयक झारखंड के लिए आर्थिक चोट : दीपिका पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि खनिज वहन भूमि उपकर (जीएमबीएल सेस) और प्रस्तावित एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 झारखंड के अधिकारों और वित्तीय हितों पर आर्थिक चोट है।

उन्होंने गुरूवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि संशोधन के जरिए खनिज संपदा वाले राज्यों की कर और उपकर लगाने की शक्तियों को सीमित करने की कोशिश की जा रही है, जिसका कांग्रेस और गठबंधन सरकार हर स्तर पर विरोध करेगी। झारखंड जैसे खनिज संपदा से समृद्ध राज्य की राजस्व क्षमता पर केंद्र सरकार की लगाम उचित नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जीएमबीएल सेस कोई नई रॉयल्टी या खनिज उत्पादन पर अतिरिक्त रॉयल्टी शुल्क नहीं, बल्कि खनिज वाली भूमि पर लगाया जाने वाला उपकर है।

मंत्री ने कहा कि जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड मामले में निर्णय दिया था। इसके बाद झारखंड विधानसभा ने झारखंड मिनरल बेयरिंग लैंड सेस अधिनियम, 2024 पारित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के हितों की हकमारी पर सरकार चुप नहीं बैठेगी।

झारखंड के खनिज और राजस्व अधिकारों पर हमला बर्दाश्त नहीं : इरफान

रांची। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि झारखंड की खनिज संपदा राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। झारखंड की अपनी जमीन पर खनिज है, ऐसे में राज्य के राजस्व अधिकारों को सीमित करने का प्रयास स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने गुरूवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में संसद से पारित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर निशाना साधा।

उन्होंने इस बिल को झारखंड के खनिज और राजस्व अधिकारों पर सीधा हमला बताया है। मंत्री ने कहा कि झारखंड के विकास और गरीब और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए राज्य के राजस्व अधिकारों की रक्षा जरूरी है। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ सदन से सड़क तक आवाज उठाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर झारखंड से दिल्ली तक आंदोलन किया जाएगा। जंतर-मंतर पर भी अपनी बात रखी जाएगी।

उन्होंने भाजपा पर झारखंड, आदिवासी और मूलवासी जनता के अधिकारों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि झारखंड शांतिप्रिय राज्य है, लेकिन अपने अधिकारों के लिए कमजोर नहीं है। आदिवासी-मूलवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए राज्य अपने अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आखिरी दम तक लड़ेगा।

देवेन्द्रनाथ को अस्पताल से जयपाल स्टेडियम लाए प्रशासन : मुकेश

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के तहत आंदोलनरत छात्र नेता देवेन्द्रनाथ महतो को सदर अस्पताल से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित सत्याग्रह स्थल पर वापस लाने की मांग गुरुवार को प्रशासन से छात्र-युवा प्रतिनिधियों ने की। इसे लेकर गुरुवार को छात्रों ने प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें मुकेश महतो, दीनबंधु मंडल और रामा अवतार महतो ने आंदोलन जारी रखने की बात कही।

मौके पर मुकेश महतो ने कहा कि देवेन्द्रनाथ महतो का शरीर अस्पताल में इलाजरत है, लेकिन उनका संघर्ष और संकल्प सत्याग्रह स्थल पर आंदोलनरत छात्र-युवाओं के साथ है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 10 अगस्त 2026 को विधानसभा मार्च के दिन जानबूझकर छात्रों पर बेरहमी से लाठीचार्ज की गई है वह बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार हर हाल में आंदोलन को कुचलना चाहती है। इसलिए देवेन्द्रनाथ महतो को जल्द से जल्द से आंदोलन स्थल पर लाने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि देवेन्द्रनाथ महतो ने अस्पताल से सत्याग्रह स्थल पर जाने की अनुमति के लिए अस्पताल प्रशासन को लिखित आवेदन दिया है। उन्होंने प्रशासन से चिकित्सकीय स्थिति और सक्षम चिकित्सक की सलाह के आधार पर उन्हें सत्याग्रह स्थल पर आने की अनुमति देने की मांग की। वहीं दीनबंधु मंडल ने कहा कि सीबीआई जांच सहित अन्य मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं को लेकर राज्य के छात्र-युवा अभ्यर्थियों में आक्रोश है।

रामा अवतार महतो ने कहा कि 10 अगस्त 2026 को विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस लाठीचार्ज और धक्का-मुक्की के बाद देवेन्द्रनाथ महतो की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का 13वां दिन जारी है।

इधर, छात्रों ने प्रेस वार्ता में चार प्रमुख मांगें रखी। इनमें अस्पताल से सत्याग्रह स्थल आने की अनुमति, आवश्यक प्रशासनिक सहयोग और सुरक्षा, रोकने की स्थिति में लिखित कारण एवं कानूनी आधार तथा चिकित्सकीय कारणों से रोकने पर संबंधित चिकित्सकीय रिपोर्ट या सक्षम प्राधिकारी की लिखित राय उपलब्ध कराने की मांगें शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

आम्रपाली परियोजना के टेरर फंडिंग मामला,14 आरोपी दोषी करार

राँची(बिभा) : सिविल कोर्ट रांची ने चतरा के टंडवा स्थित मगध कोल तथा आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में एनआई की विशेष अदालत में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में ट्रायल फेस कर रहे 14 आरोपियों को दोषी ठहराया है। इनकी सजा के बिंदु पर कोर्ट 18 अगस्त को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने मामले में आम्रपाली परियोजना के सीसीएल के जीएम अजीत कुमार ठाकुर को रिहा कर दिया। वहीं एक आरोपी आक्रमण जी का मामला अलग से चल रहा है। जिन आरोपियों को दोषी ठहराया गया है, उनमें विनोद गंझू, मुनेश गंझू, बिरबल गंझू, बिंदु गंझू, कोहराम, सुभान मियां, संजय जैन, प्रेम विकास, मुकेश गंझू, भीखन गंझू, गोपाल सिंह भोक्ता, और अनिश्चय गंझू का नाम शामिल है। ये सभी टीपीसी के उग्रवादी थे या उसके लिए लेवी वसूली के काम में लगे थे। बता दें कि टेरर फंडिंग से जुड़े केस में रांची की एनआईए की विशेष अदालत में ट्रायल चल रहा था।एनआईए ने टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या 2/2016 को 13 फरवरी 2018 को टेकओवर किया था। अनुसंधान के बाद एनआइए ने मामले में 16 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जो ट्रायल फेस कर रहे थे। एनआइए ने जांच के दौरान यह पाया है कि सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी व शांति समिति के बीच समन्वय से टेरर फंडिंग हो रही थी। तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) को फंड देने की पुष्टि हुई है। टीपीसी को लेवी देने के लिए ही उसने ऊंची दर पर मगध और आम्रपाली प्रोजेक्ट से कोयला ढुलाई का ठेका लिया था।

स्कूल में बच्चे को लेने पहुंचे डॉक्टर पर डंडे से हमला, रातू थाने में शिकायत

रांची(बिभा)। सिमलिया स्थित लीवेंस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बच्चे को लेने पहुंचे एक अभिभावक पर डंडे से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित डॉ. दीपक कुमार ने घटना को लेकर रातू थाना में लिखित शिकायत दी है और आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, स्कूल परिसर में एक अभिभावक द्वारा डॉ. दीपक कुमार की पत्नी के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। डॉ. दीपक ने इसका विरोध किया, जिसके बाद संबंधित व्यक्ति स्कूल परिसर से बाहर चला गया। आरोप है कि डॉ. दीपक जब स्कूल से बाहर निकले, तो आरोपी ने उनके सिर पर डंडे से वार कर दिया। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और खून निकलने लगा। पीड़ित ने पुलिस को आरोपी की तस्वीर और वाहन का नंबर उपलब्ध कराने की बात कही है। शिकायत मिलने के बाद रातू थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों और हमले में शामिल व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रही है।

खनिज कानून में संशोधन राज्य के अधिकारों पर सीधा हमला, केंद्र ले वापस : प्रदीप यादव

बिभा संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने केंद्र की मोदी सरकार की ओर से लोकसभा में पारित ह्यखान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 को राज्य के अधिकारों और वित्तीय संघीय ढांचे पर सीधा हमला बताते हुए इसे काला कानून करार दिया है।

उन्होंने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के संवैधानिक और वित्तीय अधिकारों को कमजोर कर उन्हें उनके वाजिब हक से वंचित करने का प्रयास कर रही है।

प्रदीप यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले के बाद राज्यों को खनिज संसाधनों पर अतिरिक्त सेस लगाने का जो अधिकार प्राप्त हुआ था, केंद्र सरकार उसी अधिकार को छीनने के लिए यह संशोधन लेकर आई है। यह कदम सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है और राज्यों की आर्थिक स्वायत्तता पर गंभीर प्रहार है। उन्होंने कहा कि इस कानून का झारखंड पर गहरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि राज्य की अर्थव्यवस्था में खनिज संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है कि जो राज्य उसके राजनीतिक विचारों से सहमत नहीं हैं, उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए और उनकी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के लिए उन्हें केंद्र पर निर्भर बनाया जाए।

प्रदीप यादव ने कहा कि झारखंड में गरीबों, महिलाओं, किसानों और जरूरतमंदों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं।

मंईयां सम्मान योजना जैसी योजनाओं पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ राज्य सरकार के अधिकारों का सवाल नहीं है, बल्कि 50 लाख से अधिक महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संसद में इस विधेयक का विरोध किया है और झारखंड में भी पार्टी राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से संघर्ष करेगी।

झारखंड की जनता अपने जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर अपने अधिकारों की लड़ाई को कमजोर नहीं होने देगी।

प्रदीप यादव ने कहा कि केंद्र सरकार को राजनीतिक दुर्भावना से ऊपर उठकर राज्यों के संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। भारत सरकार तत्काल इस फैसले पर पुनर्विचार करे और खान एवं खनिज संशोधन विधेयक, 2026 को वापस ले। राज्यों के अधिकारों और वित्तीय संघीय ढांचे के साथ किसी भी प्रकार

एमएमडीआर विधेयक से मंईयां सम्मान योजना पर पड़ेगा असर : विनोद पांडेय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने संसद में पारित एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि विधेयक से राज्य के खनिज राजस्व में संभावित कमी का सीधा असर कल्याणकारी योजनाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना और शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं भी प्रभावित हो सकती हैं।

गुरुवार को झामुमो के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में विनोद पांडेय ने आरोप लगाया कि खनिज उत्पादक राज्यों झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक से पर्याप्त परामर्श किए बिना विधेयक को राज्यसभा में कुछ ही मिनटों में पारित करा दिया गया।

उन्होंने दावा किया कि संशोधन से झारखंड को करीब 15 हजार करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नए प्रावधानों से राज्यों के खनिज संबंधी अधिकार कमजोर किए गए हैं। झामुमो ने सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि राज्यों को खनिजों पर सेस लगाने का अधिकार मिला था, लेकिन संशोधन से इस अधिकार पर भी असर पड़ रहा है।

विनोद पांडेय ने कहा कि केंद्र के पास झारखंड की करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि है और नए प्रावधानों से इसकी वसूली का रास्ता प्रभावित होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि अधिकार वापस नहीं किए गए तो 1980 के दशक की तर्ज पर आंदोलन किया जाएगा।

झामुमो चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। पहले जनजागरण अभियान, फिर धरना-प्रदर्शन और बंद किए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर आर्थिक नाकेबंदी और कानूनी विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा।

जेपीएससी प्रकरण : सीजीएल मुद्दे में सीबीआई की जांच पर अडे रहे छात्र

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्र-अभ्यर्थियों का आंदोलन गुरुवार को 20वें दिन जबकि भूख हडताल का 10 वां दिन जारी रहा।

आंदोलनरत छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थित सत्याग्रह स्थल पर कहा कि सीजीएल परीक्षा में सीबीआई जांच की मांग पूरा होने तक छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा।

मौके पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय भी सत्याग्रह स्थल पहुंचे और आंदोलनरत अभ्यर्थियों से बातचीत की।उन्होंने छात्रों की मांगें सुनीं और उनके समर्थन में हर संभव सहयोग करने की बात कही।

मौके पर छात्र नेता राधे कुमार ने आरोप लगाया कि सीजीएल परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच सहित अन्य मांगों पर सरकार ने अबतक 10 प्रतिशत मांगें भी पूरी नहीं की हैं, जबकि सरकार की ओर से 90 से 98 प्रतिशत मांगें मान लिए जाने की बात कही जा रही है।

उन्होंने सरकार से छात्रों को गुमराह करना बंद करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को अपनी प्रक्रिया पर भरोसा है तो सीबीआई जांच से डरने की जरूरत क्यों है। उन्होंने कहा कि मामला झारखंड के युवाओं और छात्रों के भविष्य से जुड़ा है, इसलिए सरकार को इस पर गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए। राधे कुमार ने कहा कि जेपीएससी की 11वीं और 13वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा, सीजीएल, सीडीपीओ और अन्य मुख्य परीक्षाओं को रद्द करने और उनकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलनकारी छात्रों ने कहा कि जेपीएससी-जेएसएससी की विभिन्न परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता सुनिश्चित करना उनकी प्रमुख मांग है। उनका कहना है कि स्वतंत्र जांच के माध्यम से कथित गड़बड़ियों की सच्चाई सामने आनी चाहिए और अभ्यर्थियों का परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा बहाल होना चाहिए। छात्रों ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा। सीजीएल में सीबीआई जांच सहित अन्य मांगों पर सरकार के स्पष्ट निर्णय के बाद ही आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी।

पूर्व रेलवे

सं. ओ–एसी–टी–115 से 119–26–27 (खुली), दिनांक 12.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस सं. ओ–एसी–टी–115–26–27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में चिनपाई (सीपीएलई) स्टेशन पर पूर्ण लंबाई की यार्ड लाइन के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 17,53,43,128.46, **बयाना राशि :** रु. 35,06,900/–, **कार्य की समापन अवधि:** 18 माह। **क्रम सं. 2, केस सं. ओ–एसी–टी–116–26–27, कार्य का नाम:** मंडल अभियंता/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न यार्ड में यार्ड सुधार कार्य सीटीआर (पी), टीटीआर, टीबीआर, टीडब्ल्यूएसईएजे के नवीनीकरण और अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 5,00,53,355.92, **बयाना राशि :** रु. 10,01,100/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 3,केस सं. ओ–एसी–टी–117–26–27, कार्य का नाम:** मंडल अभियंता (4)/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के तहत उखरा, काजोड़ा और चिनपाई रेलवे कॉलोनी में क्वार्टरों के सुधार, जिसमें दरवाजे और खिड़की, स्वच्छता कार्य और सहायक कार्य शामिल हैं, के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,60,08,336.62, **बयाना राशि :** रु. 3,20,200/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 4, केस सं. ओ–एसी–टी–118–26–27, कार्य का नाम:** एईएन/I/ अण्डाल के तहत अंडाल फिल्टर हाउस में फिल्टर बेड की ओवरहॉलिंग के साथ ऑटो–इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर के रखरखाव, फिल्टरिंग मीडिया को विस्तृत रूप से बदलने और ओवरहेड पी.एस. टैंक, अंडरग्राउंड टैंक, आर.सी.सी. टैंक और ओवरहेड सर्विस टैंक की सफाई के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 15,38,416.38, **बयाना राशि :** रु. 30,800/–, **कार्य की समापन अवधि:** 24 माह। **क्रम सं. 5,केस सं. ओ–एसी–टी–119–26–27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/1/आसनसोल के तहत एईएन/मुख्यालय/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में 16 बीएन आरपीएसएफ में एसओ महिला और पुरुष के लिए 02 अलग–अलग ब्लॉक, प्रत्येक 20 बेड वाले (डबल बेड वाले कमरे) बैरक के साथ प्रत्येक कमरे में एसी, संलग्न शौचालय/बाथरूम, रसोईघर, डाइनिंग हॉल रेक्रिएशन आदि के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 3,00,49,911.05, **बयाना राशि :** रु. 6,01,000/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 08.09.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है। ASN-213/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कार के नंबर से चल रही स्कूटी, कटा हेलमेट का चालान

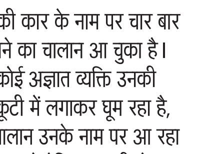

रांची। नयाटोली, अरगोड़ा निवासी 69 वर्षीय केदार नाथ प्रसाद को पिछले एक साल में उनकी कार के नाम पर चार बार हेलमेट नहीं पहनने का चालान आ चुका है। उनके अनुसार, कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी कार का नंबर स्कूटी में लगाकर घूम रहा है, जिसके कारण चालान उनके नाम पर आ रहा है। उन्होंने इस संबंध में ट्रैफिक एसपी से शिकायत की है। हाल ही में दो अगस्त को हेलमेट नहीं पहनने का चालान आया, इससे पहले 15 मई को भी इसी तरह का चालान मिला था। इसके पूर्व दो बार और चालान आ चुका है। पूर्व में आये चालान काफी दौड़–भाग के बाद रद्द कराये गये थे। अब दोबारा चालान आने से परेशान हैं। केदार नाथ रेलवे में स्टेशन अधीक्षक के पद से सेवानिवृत्त हैं।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल : मूल्य आधारित शिक्षा से बदली सरकारी विद्यालय की तस्वीर

118 में 84 को मिला प्रथम श्रेणी, पिछले साल से दोगुना है संख्या

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) कार्यक्रम के तहत इस्कॉन द्वारा संचालित इंडियन नॉलेज सिस्टम (क्ङर) प्रोजेक्ट ने तातीसिलवे स्थित सरकारी उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। दिसंबर 2025 से प्रारंभ इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य से भी जोड़ना है।

इस पहल का सबसे सकारात्मक प्रभाव बोर्ड परीक्षा परिणामों में देखने को मिला। वर्ष 2024-25 में जहां 107 विद्यार्थियों में से 44 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की थी, वहीं 2025-26 में 118 परीक्षार्थियों में 84 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी हासिल की। द्वितीय श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 50 से घटकर 26 रह गई, जबकि तृतीय श्रेणी पूरी तरह समाप्त हो गई। विद्यालय के टॉपर का अंक भी 87.8 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत पहुंच गया।

11 दिसंबर 2025 से शुरू हुए इस कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विद्यालय में 16 ऑफलाइन सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में कर्म का सिद्धांत, स्पोकन इंग्लिश एवं ग्रामर, आयुर्वेदिक जीवनशैली, परीक्षा की तैयारी, परीक्षा तनाव प्रबंधन तथा 'विज्ञान बनाम ईश्वर या ईश्वर का विज्ञान' जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने संवादात्मक तरीके से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सत्रों का संचालन एमबीए प्रोफेशनल राजीव रंजन, आईटी उद्यमी स्वास्तिक साहा, बीटेक उद्यमी प्रकाश कुमार महतो तथा एमबीए छात्र हर्ष कुमार सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने किया।

कार्यक्रम के शुरूआती आठ सत्रों में औसतन 160 से अधिक तथा बाद के आठ सत्रों में 70 से अधिक विद्यार्थियों की नियमित भागीदारी रही। प्रत्येक सत्र के बाद विद्यार्थियों को लगभग 1,800 पौष्टिक पौध-आधारित (प्लांट-बेस्ड) नाश्ते भी उपलब्ध कराए गए।

औपचारिक के साथ मूल्य शिक्षा का प्रभाव: डॉ मयंक मुरारी

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ मयंक मुरारी का मानना है कि यह परिणाम दशार्ता है कि जब औपचारिक शिक्षा के साथ मूल्य शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तित्व विकास और भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय किया जाता है, तब विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, सीखने की क्षमता और शैक्षणिक उपलब्धियां उल्लेखनीय रूप से बढ़ती हैं। तातीसिलवे सरकारी विद्यालय का यह मॉडल गुणवत्तापूर्ण और समग्र शिक्षा का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशन पर दो एक्सप्रेस ट्रेनों के आगमन की समयसूची में संशोधन

13241 बांका – राजेंद्र नगर टर्मिनल इंटरसिटी एक्सप्रेस और 13229 गोड्डा – राजेंद्र नगर टर्मिनल साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों के राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशन पर आगमन की समयसूची तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित की जाएगी: **राजेंद्र नगर टर्मिनल पर दोनों ट्रेनों की संशोधित समयसूची: आगमन:** 15.55 बजे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ज्ञान के प्रति भूख जरूरी, विद्यार्थी अपनी क्षमता निखारें : प्रिय रंजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : 'भारत आविष्कारकों की धरती रही है, जहां आर्यभट्ट जैसे महान गणितज्ञ व ज्योतिषविद हुए हैं। प्राचीन ज्योतिष व गणित विज्ञान आज की तुलना में काफी आगे था। उस दौर में आज की तरह मोबाइल, गूगल जैसी कोई सहायक तकनीक या सुविधा नहीं थी, फिर भी हमारे हमारे पुरोधा सोचते थे, खोज करते थे और लिखते थे। उनमें युवा ही सबसे अधिक थे। आज के विद्यार्थियों में भी उन्हीं की तरह वास्तविक ज्ञान के प्रति भूख जरूरी है। बच्चे अपनी क्षमता को पहचानें और उसे निखारकर आर्यभट्ट की तरह बनें, जिससे कि पूरा संसार उन पर गर्व कर सके।' ये बातें बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने गुरुवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में आयोजित आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने दशमलव एवं बाइनरी सिस्टम की खोज सहित आर्यभट्ट के अन्य योगदानों तथा सभ्यतावार गणित के क्रमिक विकास की यात्रा पर भी प्रकाश डाला। पुरस्कृत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने डीपीएस बोकारो द्वारा वर्ष 1988 से लगातार आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना की।

उक्त सम्मान समारोह के तहत डीपीएस बोकारो द्वारा विगत 37 वर्षों से आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता (एएमसी) के विद्यालयवार एवं ओवरऑल 45 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें झारखंड-बिहार सहित पश्चिम बंगाल और ओडिशा के प्रतिभागी भी शामिल रहे। इन राज्यों के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 1400 विद्यार्थियों ने जूनियर, मिडिल और सीनियर कैटेगरी में भाग लिया था। ओवरऑल जूनियर में 15, मिडिल में 19 और सीनियर में 11 विद्यार्थी पुरस्कृत किए गए। तीनों ही कैटेगरी में डीपीएस बोकारो का ओवरऑल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा, परंतु मेजबान विद्यालय होने के नाते खिताब प्रतियोगिता के निकटवर्ती प्रतिभागी विद्यालय को सुपुर्द किया गया। इसके तहत जूनियर और मिडिल कैटेगरी में हेम शीला मॉडल स्कूल, दुगार्पुर तथा सीनियर वर्ग में चिन्मय विद्यालय, बोकारो को विनर्स ट्रॉफी सुपुर्द की गई। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि प्रिय रंजन एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने ट्रॉफी एवं स्थानानुसार पारितोषिक राशि का चेक देकर पुरस्कृत किया गया।

आज के डेटा साइंस का आधार है गणित : डॉ. गंगवार

इसके पूर्व, आरंभ में सभी का स्वागत करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दीं तथा उत्कृष्टता का यह क्रम आगे भी बरकरार रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने डीपीएस बोकारो द्वारा गणित में बच्चों की तार्किक क्षमता और उनके कौशल को परखने के लिए साढ़े तीन दशक से भी अधिक समय से अनवरत आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के उद्देश्य व महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गणित आज के डेटा साइंस के पीछे की भाषा है। इस विषय के प्रति विद्यार्थियों में भय खत्म कर रुचि व आनंद जगाना इस प्रतियोगिता का ध्येय रहा है।

नृत्य-संगीत से विद्यार्थियों ने किया मंत्रमुग्ध

समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य-संगीत की अपनी मनोरम प्रस्तुतियों से सबकी भरपूर सराहना पाई। मुख्य अतिथि के हरित स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के उपरांत सुमधुर स्वागत गान तथा विद्यालय गीत की सुरीली प्रस्तुति के बाद विद्यालय के जमुना सदन के छात्र-छात्राओं की टोली ने पूर्वोत्तर भारत के लोक-शास्त्रीय मणिपुरी नृत्य और रूस के कलिनका डांस का सुंदर सम्मिश्रण प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

कोशिश की महिला प्रशिक्षुओं में प्रमाणपत्र वितरित

समारोह के दौरान डीपीएस बोकारो की ओर से निःशुल्क संचालित महिला-स्वावलंबन केन्द्र- कोशिश में सफल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली कई महिलाओं एवं युवतियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डीआई श्री रंजन ने सामाजिक उत्थान एवं महिला सशक्तीकरण की दिशा में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर एवं शॉल अलंकृत कर सम्मानित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

तीन माह में पुलिस ने किया 1663 मामलों का निष्पादन, प्रतिवेदित से 163% अधिक उपलब्धि

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस ने मई से जुलाई तक जिले में उल्लेखनीय कार्यवाही करते हुए कुल 1663 मामलों का निष्पादन किया। यह संख्या उस अवधि में प्रतिवेदित 1023 मामलों से 163 प्रतिशत अधिक है। मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह सफलता समन्वय और त्वरित कार्रवाई का नतीजा है। डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि सभी अधिकारियों ने कुशलता से जांच-पड़ताल और कार्रवाई सुनिश्चित की है, जिससे आम जनता को न्याय पाने के लिए थाने-चक्कर कम लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निष्पादन के आंकड़े पुलिस के लगातार सतत प्रयासों और सार्वजनिक सुरक्षा पर फोकस को दशार्ते हैं। निष्पादित मामलों की श्रेणीवार संख्या इस प्रकार है: अपहरण 119; दहेज व महिला उत्पीड़न 129; हत्या व आत्महत्या संबंधित 30; ठगी एवं गबन 63; शराब संबंधी 12; पोक्सो 20; कोयलाझबालू तस्करी 43; अवैध हथियार 5; छिनतई 5; पशु क्रूरता 9; साइबर ठगी 8; नक्सल मामले 15; एससी/एसटी से जुड़े मामले 45; बलात्कार 18; लूट व डकैती 8; गांजा व अफीम 4।

साथ ही वाहन चोरी के 111, चोरी के 132, गृहभेदन (घर फूट) के 81, सड़क दुर्घटना संबंधित 156 और अन्य घटनाओं से जुड़े 650 मामले निष्पादित किए गए हैं।

पुलिस कर्मियों के मुताबिक इन मामलों के समयबद्ध निष्पादन से कानून व्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है। डीएसपी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अपराध की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पट्रोलिंग दल को दें ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने आगे बताया कि पुलिस भविष्य में भी ऐसे ही लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रखेगी।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम हाई सेकेंडरी स्कूल में पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता संपन्न

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि पुस्तकें मानव की सच्ची मित्र होती हैं। पुस्तकें विद्यार्थियों को ज्ञान, अच्छा विचार व सही रास्ता दिखाती हैं। पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। यह हमें इतिहास, विज्ञान व दुनिया की हर पहलु से परिचित कराती है। पुस्तकें पढ़ने से बोलने व लिखने की कला बेहतर होती है। यह विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाती है। इसलिए विद्यार्थियों को पुस्तकों का नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए। पुस्तक पठन में रुचि जागृत करने के लिए पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता प्रतियोगिता दो स्तर पर आयोजित हुई। प्रथम स्तर पर बच्चों ने कक्षा स्तरीय पुस्तक पठन प्रतियोगिता ने भाग लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इसमें बेहतर प्रदर्शन के आधर पर विद्यार्थी दूसरे स्तर के चयनित हुए। दूसरे चरण में बेहतर पुस्तक समीक्षा के आधार पर कक्षा नौ-दस में समृद्धि झा पहले, रेशमा परवीन दूसरे व अंशु राज तीसरे स्थान पर रहे। कक्षा नौ अंग्रेजी पुस्तक समीक्षा में आदित्य सिंह पहले,शाहिद अंसारी व आकांक्षा सिंह संयुक्त रूप से दूसरे व सणीक्षा सिंह तीसरे स्थान पर रहे। कक्षा 11- 12 ग्रुप अंग्रेजी पुस्तक समीक्षा में तृप्ति झा, यशवर्द्धन व अदिति क्रमशःपहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। अंत में प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की सफलता में शिक्षिका चंदा कुमारी, प्रकाश चंद्र व श्वेता उपाध्याय का सराहनीय योगदान रहा।

तुपकाडीह में मां मनसा देवी पूजा की तैयारी जोरों पर

बोकारो(बिभा) । आगामी 17 अगस्त को नाग पंचमी के दिन होने वाले बिषोहरि मां मनसा देवी के पूजा की तैयारी तुपकाडीह एवं आस पास के गांवों में जोरों से हो रही है। अम्बेडकर नगर में रहने वाले बंग भाषी इस उत्सव को धूमधाम से मनाते हैं। विस्थापित संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष निवारण दिगार ने बताया कि इस पूजा के आने का इंतजार सभी लोग करते हैं। मां से मांगी हुई हर मुराद पूरी होती है। पांचो पंचायत मसलन तांतरी उत्तरी , दक्षिणी , खूंटरी , मानगो ओर कनारी के साथ साथ उत्तर विस्थापित क्षेत्र के गांवों में पूजा के एक सप्ताह पहले से भक्ति गीतों की गूंज सुनाई देती है। घर से दूर शहरों , राज्यों में कमाने , रोजी रोजगार करने गए लोग भी मनसा पूजा में अपने गांव , घर जरूर आते हैं।कहीं कहीं लोग इस पूजा को अपने तिथियों में करते हैं।

डीपीएस चास में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न

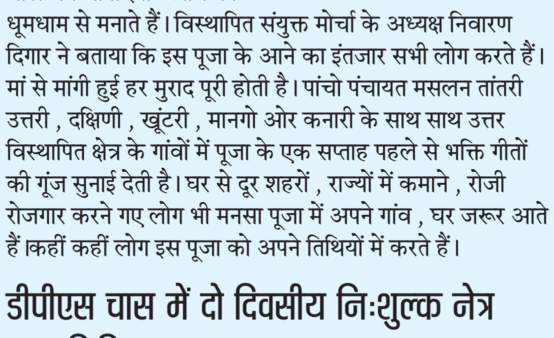

बोकारो (चास)(बिभा): विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और नेत्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) चास में 12 और 13 अगस्त 2026 को दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। संजीव नेत्रालय, बोकारो के सहयोग से आयोजित इस शिविर में डॉ. दीपिका सिंह (सीनियर कैटरैक्ट सर्जन) और उनकी टीम ने बच्चों, शिक्षकों व कर्मचारियों की आँखों की जाँच की। विशेषज्ञों ने डिजिटल युग में स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से बचने, आँखों की नियमित सफाई करने और पर्याप्त रोशनी में पढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी और डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी उनके उज्वल भविष्य का आधार है। ऐसे शिविर बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और एक स्वस्थ जीवनशैली की जिम्मेदारी का भाव विकसित करने में बेहद मददगार होते हैं।

ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले तीन युवक गिरफ्तार, मोबाइल और नकदी बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के जैना मोड़ में ऑनलाइन गेमिंग जुआ का संचालन कर भोले-भाले लोगों को लालच देकर अवैध कमाई करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में जैना मोड़ निवासी प्रलव कुमार सिंह (24), सेंटी कुमार (26) और आनंद कुमार (23) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों विभिन्न प्रतिबंधित ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा वेबसाइटों के माध्यम से ग्राहकों को जोड़कर जुआ संचालित करते थे। ग्राहकों को गेमिंग आइडी उपलब्ध कराकर उनसे लेनदेन और कमीशन के जरिए आर्थिक लाभ कमाया जाता था।

पुलिस अधीक्षक बोकारो को 12 अगस्त को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया। दल ने जैना मोड़ स्थित एक कमरे में छापेमारी कर तीनों आरोपितों को पकड़ लिया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ऑनलाइन जुआ संचालन की जानकारी सामने आई। पुलिस ने मौके से तीन एंड्राइड मोबाइल, एक आइफोन, 10,100 रुपये नकद, चार डेबिट/पेमेंट कार्ड और ग्राहकों से संबंधित डाटा वाली दो नोटबुक बरामद की हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। ऑनलाइन जुआ संचालन से जुड़े अन्य लोगों और वित्तीय लेनदेन की भी जांच की जा रही है। छापेमारी दल में जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो के अलावा विकास कुमार विश्वकर्मा, संजीव कुमार, निर्मल कुमार सिंह, मथियस जॉन मुर्मू, हवलदार कुलदीप सिंह और हवलदार अनस्ता बा शामिल थे। बोकारो पुलिस ने लोगों से ऑनलाइन जुआ, सट्टा और अवैध गेमिंग गतिविधियों से दूर रहने तथा ऐसी गतिविधियों की सूचना नजदीकी थाना या डायल-112 पर देने की अपील की है।

ध्रुपद गायन के पुरोधा पंडित कृष्ण मोहन पाठक को मिला संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार 2025', राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो : हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्राचीन और आध्यात्मिक ध्रुपद परंपरा के अनन्य साधक पंडित कृष्ण मोहन पाठक को वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य और गरिमामयी समारोह के दौरान, देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। हिन्दुस्तानी संगीत के ध्रुपद क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और अमूल्य योगदान तथा अनथक संगीत साधना को राष्ट्रीय फलक पर मिली इस स्वीकृति से संपूर्ण कला और संगीत जगत में अपार हर्ष एवं गौरव का माहौल है। विदित हो कि गया घराना के वरिष्ठ ध्रुपद गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक बोकारो के वरिष्ठ तबला वादक पंडित बच्चन जी महाराज के बड़े भाई हैं। उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर बोकारो के संगीतज्ञों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी है। वरिष्ठ संगीतज्ञ पं राणा झा, डॉ राकेश रंजन, पं शिव पूजन मिश्र, श्याम गोस्वामी, अरुण पाठक, चंद्र कांत शर्मा, विक्की आनंद पाठक, प्रसेनजीत शर्मा, विभु शंकर मिश्र, रुपक कुमार झा, लिपि बोस, अंकिता चक्रवर्ती, हरेक नाथ गोस्वामी, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी, रंजू सिंह आदि ने गौरवपूर्ण सम्मान हेतु उन्हें बधाई दी है।

डूरंड कप : जमशेदपुर एफसी ने इंडियन एयर फोर्स को 6-0 से हराया

बिभा संवाददाता

रांची। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में गुरुवार को डूरंड कप के 135वें संस्करण के ग्रुप-सी का मुकाबला जमशेदपुर एफसी और इंडियन एयरफोर्स के बीच खेला गया। शाम में शुरू हुए मैच में जमशेदपुर एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन एयरफोर्स को 6-0 से हरा दिया।

मैच की शुरूआत से ही जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने बेजोड़ प्रदर्शन दिखाया। जमशेदपुर एफसी ने पहला गोल दागकर इंडियन एयरफोर्स पर दबाव बना दिया। पहले हाफ में इंडियन एयरफोर्स को बराबरी का मौका भी मिला, लेकिन गेंद गोलपोस्ट के बजाय बाहर निकल गई। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में जमशेदपुर के खेल प्रेमी स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान ढोल नगाड़ा और मांदर बजाकर और दर्शक सीटी और तालियों के साथ दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते दिखे। मैच के दौरान स्टेडियम में फुटबॉल प्रेमियों का जोश देखने देखने लायक थी।

जमशेदपुर एफसी ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा कायम रखा। 54 मिनट 28 सेकेंड में टीम ने दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद इंडियन एयरफोर्स पर दबाव और बढ़ गया।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने लगातार खेल प्रदर्शन जारी रखा और 63 मिनट 37 सेकेंड में शानदार तीसरा गोल दाग दिया। इसके साथ ही टीम ने इंडियन एयरफोर्स पर 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली। मैच में जमशेदपुर एफसी का प्रदर्शन शुरू से ही प्रभावी रहा। 70 मिनट 23 सेकेंड में जमशेदपुर की टीम ने चौथा गोल भी लगा दिए और 4-0 से बढ़त बना ली। 79 मिनट 34 सेकेंड में 5 गोल दाग दिए। 83 मिनट 54 सेकेंड में छठा गोल दागा।

डीएवी सेक्टर-4 में गूँजा देशभक्ति गीतों एवं राष्ट्रप्रेम का रंग

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरुवार को डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में सत्र 2026-27 के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय देशभक्ति समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह, उमंग एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, शौर्य, त्याग एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन प्रस्तुतीकरण, विषय-वस्तु, लय एवं ताल, अभिव्यक्ति एवं गतिशीलता तथा समग्र प्रदर्शन जैसे विभिन्न मानदंडों के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में श्री विशाल कुमार गोस्वामी एवं श्री विशाल कुमार वर्मा शामिल थे।

निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर दयानंद हाउस ने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत की अद्भुत एवं भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं विवेकानंद हाउस ने माँ से है माटी, माँ से है माथा गीत की मधुर प्रस्तुति से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विरजानंद हाउस ने न झुकेगा देश अपना, न झुकेंगे हम कभी गीत की बेजोड़ प्रस्तुति के बल पर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों की मनमोहक एवं जोशीली प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। देशभक्ति गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारत की एकता, अखंडता, गौरव एवं राष्ट्रप्रेम का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने विजेता हाउस एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों में देशप्रेम, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सामूहिकता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का निरंतर विकास करने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक वृंद ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक मंडल एवं आयोजन से जुड़े गाइड शिक्षकों को प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन बधाई दी।

बीएसएल द्वारा संविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की ऐतिहासिक पहल

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट ने अपनी सुदृढ़ एवं समावेशी सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत करते हुए संविदा कर्मियों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की है। इस पहल के तहत बीएसएल में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू की गई है। ज्ञातव्य है कि इससे पहले संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण (पीपीई) सम्बंधित ठेकेदार द्वारा ही उपलब्ध कराई जाती थी। सेल सहित देश के इस्पात उद्योग में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा पहली बार की गई इस ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल की यह विशेष पहल "Transforming Contractual Worker Safety through Direct PPE Provision and Digital Governance" की परिकल्पना पर आधारित है। इसका उद्देश्य संविदा कर्मियों को उच्च गुणवत्ता वाले पीपीई उपलब्ध कराने के साथ-साथ इनके इश्यू, डिस्ट्रीब्यूशन, रिकवरी एवं री-इश्यू की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी, व्यवस्थित एवं ट्रेसेबल बनाना है। इस पहल के माध्यम से बीएसएल कार्यस्थल पर सुरक्षा के समान मानक सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहा है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने इस पहल की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बीएसएल द्वारा पहली बार व्यापक स्तर पर ऐसी व्यवस्था शुरू की गई है, जिसके तहत उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों वाले सुरक्षा पीपीई किट उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संविदा कर्मियों को बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन द्वारा सुरक्षा किट प्रदान कर इस पहल का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी ने कहा कि बीएसएल परिसर में कार्य करने वाला प्रत्येक कर्मी, चाहे वह नियमित कर्मचारी हो या संविदा कर्मी, उसे सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना संगठन की प्राथमिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि संगठन के मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले पीपीई किट उपलब्ध कराने की यह पहल एक मजबूत, समावेशी एवं उत्तरदायी सुरक्षा संस्कृति के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि इस पहल के माध्यम से बीएसएल द्वारा संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले पीपीई किट उपलब्ध कराने के साथ-साथ इनके इश्यू, डिस्ट्रीब्यूशन, रिकवरी एवं री-इश्यू की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। इससे पीपीई किट की उपलब्धता, वितरण एवं उपयोग की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित होगी। साथ ही, आवश्यकता के अनुरूप समय पर पीपीई उपलब्ध कराने में भी सुविधा होगी। तकनीक के प्रभावी उपयोग से सुरक्षा प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

संविदा कर्मियों को उपलब्ध कराए जाने वाले सुरक्षा पीपीई में सेफ़्टी हेलमेट, लाइट वेट पॉलीकाबोर्नेट चश्मे, डिस्पोजेबल रेस्पिरेटर, सेफ़्टी शूज, त्र्फ्क्र सूट (जैकेट और ट्राउजर), ईयर प्लग और कैनवस ग्लव्स शामिल हैं।

यह पहल बीएसएल की उस दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है कि ह्लसुरक्षा सिर्फ. एक ज़िम्मेदारी नहीं है, यह एक ऐसा मूल्य है जो हर किसी से जुड़ा है।ह्व नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ संविदा कर्मियों की सुरक्षा के प्रति समान संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए बीएसएल ने कार्यस्थल पर सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह पहल न केवल बीएसएल की सुरक्षा प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, बल्कि भारतीय इस्पात उद्योग में एक सुरक्षित एवं समावेशी कार्य संस्कृति के लिए नए मानक स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास, उपायुक्त ने तिरंगे को दी सलामी

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गुरुवार को सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास संपन्न हुआ। पूर्वाभ्यास का संयुक्त निरीक्षण उपायुक्त श्री अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीणा ने किया। निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी।

इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मुख्य समारोह के सफल, भव्य एवं गरिमामय आयोजन को लेकर परेड तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समारोह के दौरान अनुशासन, सुरक्षा एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

पूर्वाभ्यास में सीआईएसएफ, जिला बल (पुरुष), जिला बल (महिला), गृह रक्षक बल, चौकीदार पुरुष दल, डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, 8/बी एनसीसी, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, चास, जीजीपीएस स्कूल सेक्टर-05 तथा एमजीएम स्कूल सेक्टर-04 प्लाटूनों ने भाग लिया। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित समयानुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए परेड का सफल पूर्वाभ्यास किया।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतिम पूर्वाभ्यास के दौरान सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। संभावित वर्षा को देखते हुए एहतियातन अतिरिक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि समारोह में आने वाले अतिथियों एवं आमजन की सुरक्षा तथा सुविधा के लिए सभी प्रवेश द्वारों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

इधर, स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान की रंगाई-पुताई कर उसे आकर्षक रूप से सजाया गया है। पूरे परिसर को देशभक्ति के माहौल के अनुरूप सुसज्जित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक श्री नाथू सिंह मीणा ने पुलिस लाइन परिसर में नव-निर्मित शौचालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को परिसर की स्वच्छता एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शौचालय निर्माण से परेड में शामिल जवानों, अधिकारियों तथा समारोह में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मौके पर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर श्रीमती पूर्णिमा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास श्रीमती प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला नजारत उप समाहर्ता राज शर्मा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, जिला खेल पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट एवं मार्ट का औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट एवं मार्ट का औचक निरीक्षण किया गया।

इस क्रम में सुभाष चौक स्थित मारवाड़ी होटल, बिहार भोजनालय, शालीमार स्वीट्स, प्रिया स्वीट्स, थाना चौक स्थित स्पाइस गार्डन तथा नईसराय स्थित फैमिली मार्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल एवं रेस्टोरेंट के किचन की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के रख-रखाव सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई।

जांच के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों को पेस्ट कंट्रोल प्रमाण-पत्र, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, वाटर टेस्ट रिपोर्ट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही खाद्य पदार्थों के सुरक्षित रख-रखाव एवं प्रतिष्ठानों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

इसके बाद नईसराय स्थित फैमिली मार्ट का निरीक्षण किया गया, जहां विभिन्न खाद्य सामग्रियों की विनिर्माण तिथि, अंतिम प्रयोग तिथि एवं अन्य आवश्यक जानकारियों की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा प्रतिष्ठान में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डेरिक तिग्गा एवं खाद्य सुरक्षा कार्यालय के लुकेश रवानी शामिल थे। विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर आगे भी अभियान जारी रखने की बात कही गई।

संक्षिप्त खबरें

25 दिव्यांग लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त हेमन्त सती के निदेर्शानुसार समाज कल्याण विभाग के द्वारा आज 25 दिव्यांग लाभुकों के बीच डीएमएफटी मद से उपलब्ध कराई गई बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। इस दौरान लाभुकों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराते हुए उनके सुगम आवागमन एवं आत्मनिर्भर जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं। बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्राप्त करने वाले लाभुकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक जीवन में काफी सुविधा होगी तथा आवागमन संबंधी कठिनाइयां कम होंगी। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा एवं अन्य लाभुकों को अपने दैनिक कार्यों के निष्पादन में इसका लाभ मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में पात्र दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज तिवारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती शिप्रा सिंहा सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

नाबालिग छात्राओं के लापता होने से हड़कंप, दो युवकों पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

रांची(बिभा) : रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर से दो नाबालिग छात्राओं के लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक छात्रा की मां ने रातू थाना में आवेदन देकर दोनों छात्राओं को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। आवेदन के अनुसार, दोनों छात्राएं नौवीं कक्षा में पढ़ती हैं और नौ अगस्त की सुबह करीब नौ बजे पंडरा में कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थीं। इसके बाद दोनों वापस घर नहीं लौटीं। परिजनों ने कोचिंग सेंटर में जानकारी ली, जहां दोनों के नहीं पहुंचने की बात सामने आयी। परिजनों ने अपने स्तर पर खोजबीन की। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि राहुल लोहरा, पिता विश्वकर्मा लोहरा, निवासी उरगुटु और सूरज लोहर, पिता लक्ष्मी लोहरा, निवासी कोकदोरो, थाना पिठौरिया क्षेत्र, दोनों छात्राओं को अपने साथ ले गये हैं। परिजनों ने पुलिस से दोनों नाबालिग छात्राओं की सकुशल बरामदगी की मांग की है। साथ ही मामले की जांचख कर कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

रांची में झूलते केबल-इंटरनेट तारों पर हाईकोर्ट सख्त, जेबीवीएनएल के एमडी से मांगा जवाब

रांची(बिभा)। रांची शहर में सड़क किनारे और बिजली के खंभों पर अव्यवस्थित तरीके से लगे केबल एवं इंटरनेट तारों के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) को 10 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि रांची में किन-किन टेलीकॉम कंपनियों को केबल एवं इंटरनेट तार लगाने की अनुमति दी गई है और स्वीकृत क्षमता के मुकाबले कितने तारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि शहर में केबल और इंटरनेट के तार सही तरीके से नहीं लगाए गए हैं और नीचे की ओर झूल रहे हैं, तो इसकी जिम्मेदारी से जेबीवीएनएल बच नहीं सकता। हाईकोर्ट ने जेबीवीएनएल के एमडी से यह भी जानकारी मांगी है कि रांची में नीचे झूल रहे केबल तारों के लिए कौन-कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। मामले में टेलीकॉम कंपनियों को भी जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। जियो डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड और भारतीय एयरटेल की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत में पक्ष रखा। यह मामला कोर्ट के स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका से जुड़ा है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 सितंबर की तारीख निर्धारित की है।

आरडीएसएस कार्य के कारण ओरमांझी क्षेत्र में 14 को बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, ओरमांझी में (आरडीएसएस) का कार्य शुक्रवार को किया जाएगा। आरडीएसएस कार्य को लेकर ओरमांझी-2 फीडर के अधीन आने वाले मुहल्लों में सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी बिजली विभाग ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। इस दौरान ओरमांझी के जिन इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी उनमें मधुबन बिहार, ईरबा मेदांता हॉस्पिटल सहित अन्य शामिल है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान विभाग की ओर से केवल स्टैंगिंग और बॉक्स फिटिंग और कनेक्शन डिवाइड का काम किया जाएगा। इस वजह से संबंधित क्षेत्र का पूरा फीडर बंद रहेगा।

डीएसपीएमयू में 'कोड जैम 2026' संपन्नः कोडिंग में सेमीकोलन की तरह, जीवन में अनुशासन भी जरूरीः कुलपति

बिभा संवाददाता

रांचीः डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के रवींद्र नाथ टैगोर सभागार में 13 अगस्त को तकनीकी कौशल और नवाचार से भरपूर 'कोड जैम 2026' प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। बीसीए विभाग के मार्गदर्शन में 'कोडर हब डीएसपीएमयू' द्वारा आयोजित इस मेगा टेक-इवेंट में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों (बीसीए, बीएससी आईटी, एमसीए और बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स) के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और मनोयोग के साथ हिस्सा लिया।

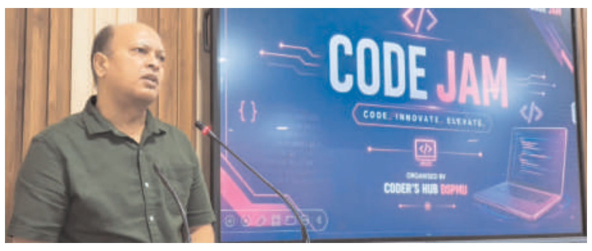

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राजीव मनोहर ने किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कोडिंग का एक शानदार उदाहरण देकर जीवन का सार समझाया। उन्होंने कहा, जिस प्रकार कोडिंग में महज एक 'सेमीकोलन' (;) के न होने से पूरा प्रोग्राम काम करना बंद कर देता है, ठीक उसी प्रकार सफलता के लिए ज्ञान होने के अलावा अनुशासन का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक और तकनीकी युग में सिर्फ काम पूरा करना ही काफी नहीं है, बल्कि अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है कि हम उस कार्य को दूसरों की तुलना में कितनी अधिक गुणवत्ता के साथ करते हैं। विश्वविद्यालय हमेशा से छात्रों को अकादमिक के साथ-साथ तकनीकी रूप से भी आगे रखने का प्रयास करता रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि तकनीकी दुनिया में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए ज्ञान और कौशल में निरंतर वृद्धि करनी चाहिए। बीसीए विभाग की समन्वयक डॉ. नमिता लाल और सहायक प्राध्यापक डॉ. सैयद जाफर अब्बास ने भी छात्रों को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाया।

यह पूरी प्रतियोगिता तीन चरणों में संचालित की गई, जिसमें विद्यार्थियों की कोडिंग क्षमता, प्रॉब्लम सॉल्विंग, टीमवर्क और एआई कौशल को परखा गया। इन तीन चरणों में पहला चरण डीबगिंग चैलेंज , दूसरा चरण एआई इमेज जेनरेशन और तीसरा चरण डीएसए शोडाउन का रहा।

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की, जिसमें प्रथम स्थान अनस आलम, द्वितीय स्थान मनीष कुमार गंजू और तृतीय स्थान युवराज सिंह को प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को कुलपति प्रो. (डॉ.) राजीव मनोहर और डॉ. नमिता लाल द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. धर्मराज कुमार ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर डॉ. जी.सी. बास्के और आयोजन को सफल बनाने वाले अन्य विद्यार्थी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी पीआरओ डॉ. राजेश कुमार सिंह ने दी।

रैली स्थल का शुद्धिकरण करने के खिलाफ कांग्रेस सभी जिलों में 14 को करेगी सत्याग्रह

बिभा संवाददाता

रांची। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के बाद हिंदू संगठनों की ओर से रैली स्थल का शुद्धिकरण गंगाजल से करने को कांग्रेस ने आलोचना की है।

पार्टी का कहना है कि इस घटना के विरोध में कांग्रेस के राष्ट्रीरय महासचिव केसी वेणुगोपाल के पत्र पर प्रदेश के सभी जिला कांग्रेस कमेटी को निर्देश दिया गया है कि 14 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों में विशाल मार्च और सत्याग्रह का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मार्च महात्मा गांधी या डॉ बीआर अंबेडकर की प्रतिमा तक जाएगा और वहीं संपन्न होगा। जहां ऐसे भेदभाव के विरुद्ध अपने दृढ़ विरोध दर्ज करने और कांग्रेस अध्यक्ष के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए सत्याग्रह किया जाएगा। सोनाल शांति ने कहा कि यह शर्मनाक कृत्य केवल कांग्रेस अध्यक्ष का अपमान नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की गरिमा और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। भारत के संविधान से संचालित लोकतांत्रिक समाज में ऐसी भेदभावपूर्ण प्रथाओं और मानसिकता का कोई स्थान नहीं है।

सावन उत्सव में योग विद्यार्थियों ने बिखेरी खुशियों की रंगत, खेल-कूद और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। क्रिएटिव आर्ट स्टूडियो की संचालिका एवं योग शिक्षिका पिंकी सिन्हा के नेतृत्व में सावन के पावन अवसर पर मनोरंजक एवं उत्साहपूर्ण सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और पूरे आयोजन को उमंग, उल्लास एवं खुशियों से भर दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। खेलों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा एवं उत्साह का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला।

सावन उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने पिंकी सिन्हा के मार्गदर्शन में तैयार की गई नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी पेश कीं। मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का खूब मनोरंजन किया और वातावरण को भक्तिमय एवं उत्सवमय बना दिया।

कार्यक्रम में योग एवं फिटनेस के प्रति विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता को भी प्रोत्साहित किया गया। नियमित योगाभ्यास के साथ फिटनेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तथा सर्वाधिक वजन कम करने वाले योग विद्यार्थी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान का उद्देश्य विद्यार्थियों को नियमित योग, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था।

पिंकी सिन्हा ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक प्रसन्नता और सकारात्मक जीवनशैली का भी माध्यम है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के साथ-साथ आपसी मेल-जोल, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलता है। अंततः सावन उत्सव हंसी-खुशी, नृत्य, खेल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उमंग के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने योग विद्यार्थियों के बीच उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

जेपीएससी छात्र-अभ्यर्थियों की मुख्यमंत्री आवास घेराव की अफवाहें गलत : कुणाल

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री आवास घेराव किए जाने की चर्चा और सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही अफवाहों के बीच छात्र अभ्यर्थियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल उनका मुख्यमंत्री आवास घेराव की कोई योजना नहीं है। यह जानकारी जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की ओर से कुणाल प्रताप सिंह ने गुरूवार को मीडिया को दी।

कुणाल ने कहा कि जेपीएससी-जेएसएससी से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्र अभ्यर्थियों के बीच विभिन्न स्तरों पर चर्चा और रणनीति तैयार की जा रही है। लेकिन मुख्यमंत्री आवास के घेराव को लेकर जिस तरह की बातें प्रसारित की जा रही हैं। मूल खबरों या सूचनाओं में फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रम और आंदोलन की आगे की रणनीति की विस्तृत जानकारी जल्द ही मीडिया के समक्ष साझा की जाएगी।

इसके साथ ही हाल के दिनों में जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन को लेकर प्रसारित की जा रही कुछ भ्रामक और तथ्यहीन जानकारियों का तथ्यों के साथ खंडन किया जाएगा और आवश्यक स्पष्टीकरण भी दिया जाएगा।

कुणाल ने छात्र अभ्यर्थियों और आम लोगों से अपील की कि वे किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसके स्रोत और सत्यता की पुष्टि करें।

उन्होंने कहा कि आंदोलन से संबंधित आधिकारिक कार्यक्रम और निर्णय की जानकारी मंच की ओर से उचित माध्यम से दी जाएगी। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने कहा कि छात्रों के हितों और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता से जुड़े मुद्दों को लेकर उनका पक्ष स्पष्ट है। आगामी कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही आंदोलन की दिशा और रणनीति के संबंध में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

शपथ पत्र

मैं, मुनु लोहरा, पिता स्व शर्मा लोहरा, उम्र 38 वर्ष, निवास ग्राम ब्लॉक क्लोनी जलडेगा, पोस्ट जलडेगा, थाना जलडेगा, जिला सिमडेगा, (झारखण्ड) शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि :-

यह कि मैं उपरोक्त पता का निवासी हूँ, तथा भारतीय नागरिक हूँ।

यह कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत मेरा मतदाता पहचान पत्र संख्या FHH5858113 में मेरा नाम मुनु लोहरा (MUNU LOHRA) दर्ज है।

यह कि भारत सरकार द्वारा निर्गत भारतीय विशिष्ट पहचान पत्र आधार कार्ड संख्या 9991 1056 8427 में मेरा नाम मुनु मलिक (MUNU MALIK) दर्ज हो गया है।

यह कि मुनु लोहरा (MUNU LOHRA) वो मुनु मलिक (MUNU MALIK) एक ही व्यक्ति का नाम है जो मैं स्वंय हूँ।

यह कि उपरोक्त आधार कार्ड में मतदाता पहचान पत्र में दर्ज मेरा नाम के अनुसार मेरा नाम मुनु लोहरा दर्ज कराने हेतु गजट पब्लिकेशन कराने की आवश्यकता है जिसके लिए यह शपथ पत्र दे रहा हूँ।

यह कि उपरोक्त समस्त कथन मेरे विश्वास ज्ञान में सही एवं सत्य है।

मैं मुनु लोहरा, यह घोषणा करता हूँ कि इस शपथ पत्र में लिखी गई सारी बातें सही एवं सत्य है। जिसका शपथ पत्र संख्या 9507 दिनांक 07.08.2026 है।

शपथ पत्र

मैं, मुनु लोहरा, पिता स्व शर्मा लोहरा, उम्र 38 वर्ष, निवास ग्राम ब्लॉक क्लोनी जलडेगा, पोस्ट जलडेगा, थाना जलडेगा, जिला सिमडेगा, (झारखण्ड) शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि :- यह कि मैं उपरोक्त पता का निवासी हूँ, तथा भारतीय नागरिक हूँ।

यह कि अंकित लोहरा मेरा पुत्र है जिसका जन्म तिथि 25.01.2011 ई० है। यह कि ग्राम पंचायत जलडेगा के द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र संख्या B2025 20040620000268 दिनांक 29.07.2025 में मेरा पुत्र का नाम अंकित लोहरा (ANKIT LOHRA) दर्ज है।

यह कि भारत सरकार द्वारा निर्गत भारतीय विशिष्ट पहचान पत्र (आधार कार्ड) संख्या 8810 1986 9124 में मेरा पुत्र का नाम अंकित मलिक (ANKIT MALIK) दर्ज हो गया है।

यह कि अंकित लोहरा (ANKIT LOHRA) वो अंकित मलिक (ANKIT MALIK) एक ही व्यक्ति का नाम है जो मेरा पुत्र है।

यह कि मेरा पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नाम के अनुसार अंकित लोहरा (ANKIT LOHRA) के नाम से जाना पहचाना जाता है।

यह कि मेरे पुत्र का उपरोक्त आधार कार्ड में जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नाम के अनुसार अंकित लोहरा दर्ज कराने हेतु गजट पब्लिकेशन कराने की आवश्यकता है जिसके लिए यह शपथ पत्र दे रहा हूँ।

यह कि उपरोक्त समस्त कथन मेरे विश्वास ज्ञान में सही एवं सत्य है। जिसका शपथ पत्र संख्या 9506 दिनांक 07.08.2026 है।

सराहनीय पहल : हर घर तिरंगा अभियान के तहत हजारीबाग यूथ विंग ने किया तिरंगा वितरण

हर घर तिरंगा देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का अभियान है : चंद्र प्रकाश जैन

बिभा संवाददाता

हजारीबागः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत 151 तिरंगा झंडों का निःशुल्क वितरण किया। अभियान की शुरूआत महेश सोनी चौक से की गई, जहां संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साह के साथ लोगों के बीच तिरंगा वितरित किया और स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। हजारीबाग यूथ विंग पिछले पांच वर्षों से धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा समय-समय पर जनसेवा, सामाजिक जागरूकता एवं देशभक्ति से जुड़े अभियानों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया जाता रहा है। हर घर तिरंगा अभियान भी इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस पर अपने घर पर तिरंगा फहराना देश के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक सुंदर माध्यम है। ऐसे अभियानों से समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत होती है और युवा पीढ़ी को देश की स्वतंत्रता के महत्व एवं उसके लिए दिए गए बलिदानों से परिचित होने का अवसर मिलता है। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश की आजादी के साथ-साथ एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। हर घर में तिरंगा फहराने का उद्देश्य केवल ध्वज को घर तक पहुंचाना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति गौरव और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत करना है। स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाते हुए प्रत्येक नागरिक को इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए।

स्थानीय नागरिकों ने भी हजारीबाग यूथ विंग की इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से स्वतंत्रता दिवस की भावना घर-घर तक पहुंचती है। अभियान के माध्यम से संस्था ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, संस्था के मार्गदर्शक जय प्रकाश खण्डेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, राजेश जैन, समाजसेवी बजरंग अग्रवाल सहित कई लोग उपस्थित रहें।

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

विनोद सिंह 'तकियावाला',

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है।

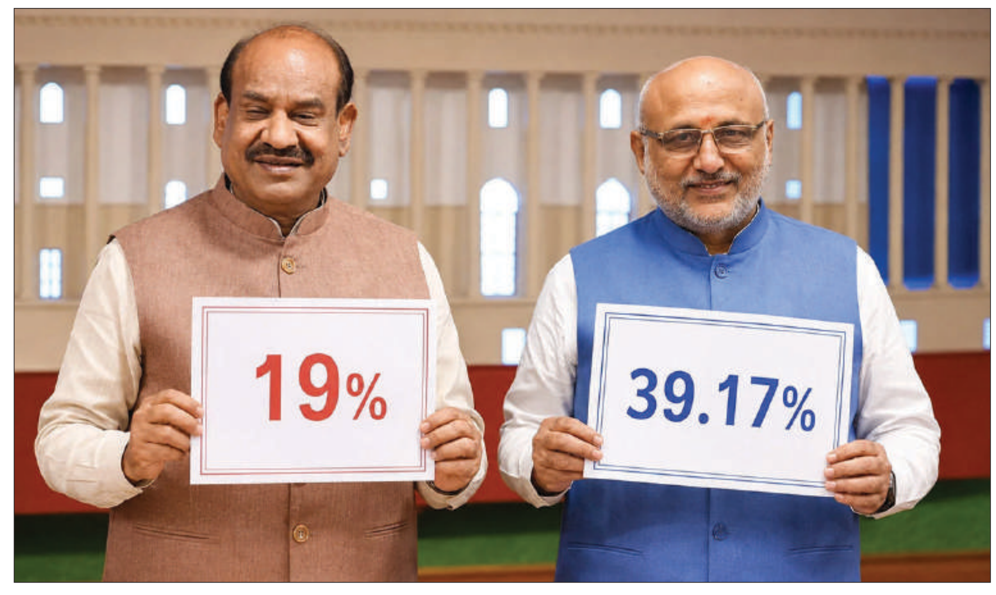

लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है। इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव पहल

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरूआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के ह्ययुद्ध नशियां विरुद्धह्न अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल,इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है। दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दर्शाते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दर्शाता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दर्शाता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दर्शाता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दर्शाने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दर्शाती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से सुशासन का सशक्तिकरण

बिहान भारत

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के माध्यम से भारत के गवर्नेंस में एक मौलिक बदलाव आया है। सार्वजनिक सेवाएं, जो कभी व्यापक कागजी कार्रवाई और फिजिकल कार्यालयों पर निर्भर थीं, अब एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध हैं। पिछले 12 वर्षों में, डीपीआई ने नागरिकों, सरकारों और संस्थानों को एक अभूतपूर्व स्तर पर जोड़ा है। इसने गवर्नेंस को अधिक त्वरित, पारदर्शी और नागरिकों की आवश्यकताओं के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाया है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के आर्थिक विकास के एक मुख्य आधार के रूप में भी उभरा है। डिजिटल अर्थव्यवस्था अब भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12-14 प्रतिशत का योगदान देती है और अगले दशक में इसके 20 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। 'स्टेट ऑफ इंडियाज डिजिटल इकोनॉमी रिपोर्ट 2026' के अनुसार, भारत अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था और चौथे स्थान पर स्थित जी20 अर्थव्यवस्था है। जैसा कि भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, डिजिटल गवर्नेंस का निरंतर विस्तार सर्विस डिलीवरी को मजबूत कर रहा है, आर्थिक अवसरों को सक्षम बना रहा है और विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है।

भारत में डिजिटल आत्मनिर्भरता के प्रमुख पड़ाव

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग: भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

'मेक इन इंडिया' के दृष्टिकोण विजन से प्रेरित होकर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है। प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस), इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) और मॉडिफाइड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स (ईएमसी 2.0) सहित प्रमुख पहलों ने भारत में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत किया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन में 7 गुना वृद्धि: इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ हो गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 11 गुना वृद्धि: इसी अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात 38,000 करोड़ से बढ़कर 4.24 लाख करोड़ हो गया है।

तीसरा सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र: इलेक्ट्रॉनिक सामान अब भारत की तीसरी सबसे बड़ी निर्यात श्रेणी बन गया है, जिसका निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 47.96 अरब अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) तक पहुंच गया है।

रोजगार और महिलाओं की भागीदारी: इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम लगभग 25 लाख नौकरियों को सपोर्ट करता है, जिसमें कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग 30 प्रतिशत है।

भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 1.27 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ सेमीकॉन 2.0 (Semicon 2.0) को मंजूरी दी है। आईएसएम 1.0 (आईएसएम 1.0) के तहत 1.64 लाख करोड़ मूल्य की 12 सेमीकंडक्टर इकाइयों को स्वीकृत किया गया है। तीन सुविधाएं पहले ही व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी हैं, जबकि एक अन्य इकाई का संचालन इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है।

मोबाइल फोन: विकास का एक प्रमुख कारक

ग्लोबल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग हब: भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता बन गया है। मोबाइल फोन वित्त वर्ष 2014-15 में 153वां सबसे बड़ा निर्यात आइटम था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बन गया है।

मोबाइल फोन उत्पादन में 33 गुना वृद्धि: उत्पादन 2014-15 के 18,000 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 6.27 लाख करोड़ हो गया है।

मोबाइल फोन निर्यात में 165 गुना बढ़ोतरी: इसी अवधि के दौरान निर्यात 1,500 करोड़ से बढ़कर 2.59 लाख करोड़ हो गया है।

रोजगार और महिलाओं की भागीदारी: मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में सृजित 12 लाख नौकरियों में से, कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है।

बेहतर टेलीकम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर

टेलीफोन कनेक्टिविटी: टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या वर्ष 2014 के 93.3 करोड़ से बढ़कर जून 2026 के अंत तक 134.8 करोड़ से अधिक हो गई है।

बेहतर टेली-डेंसिटी: टेली-डेंसिटी 2014 के 75.23% से बढ़कर जून 2026 के अंत तक 94.31% हो गई है।

वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर: जून 2026 में एक्टिव वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर की संख्या 1201.06 मिलियन तक पहुँच गई।

इंटरनेट और डिजिटल कनेक्टिविटी

इंटरनेट उपयोगकताओं में चार गुना वृद्धि: इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 2014 के 25.15 करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक 109.2+ करोड़ हो गई है।

किफायती मोबाइल डेटा: वायरलेस डेटा की कीमत 2014 के 308/जीबी से भारी गिरावट के साथ 2026, में 7.51/जीबी रह गई है, जिससे डिजिटल सेवाएं अधिक सस्ती और सुलभ हो गई हैं।

मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड: Ookla के ग्लोबल स्पीडटेस्ट इंडेक्स के अनुसार, औसत मोबाइल ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड मार्च 2022 के 13.67 एमबीपीएस (Mbps) से बढ़कर दिसंबर 2025 में 132.00 एमबीपीएस (Mbps) हो गई है।

देशव्यापी 5G रोलआउट: 5G सेवाएं अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 99.9 प्रतिशत जिलों में उपलब्ध हैं। जून 2026 में 5G बेस ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों (बीटीएस) की संख्या बढ़कर 5.63 लाख तक पहुंच गई है।

ग्रामीण मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार: बीएसएनएल और अन्य ऑपरेटरों द्वारा अब कुल 6.31 लाख गांवों को 4G सेवाओं से कवर किया जा चुका है।

भारतनेट पहल के तहत कनेक्टिविटी: जून 2026 तक, 2.21 लाख ग्राम पंचायतें सेवा सर्विस-रेडी हैं, जो 8.5 लाख रूट किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल से जुड़ी हुई हैं।

पीएम-वाणी (PM-WANI): पीएम-वाणी पब्लिक डेटा ऑफिसों और अन्य इकोसिस्टम पार्टनर्स के नेटवर्क के जरिए किफायती पब्लिक वाई-फाई उपलब्ध कराता है। 28 फरवरी 2026 तक, देशभर में 4 लाख से अधिक हॉटस्पॉट लगाए जा चुके हैं। मई 2026 में शुरू किए गए नए सुधारों से अब क्यूआर-आधारित ऑथेंटिकेशन, 15, 30 और 60 मिनट के वाई-फाई प्लान और स्टैंडर्ड हॉटस्पॉट नाम की सुविधा मिलने लगी है।

भारत 6G युग के लिए हो रहा है तैयार

भारत 6G विजन का उद्देश्य 2030 तक स्वदेशी अनुसंधान, बौद्धिक संपदा (आईपी), मानक विकास और अगली पीढ़ी के दूरसंचार इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत को 6G तकनीक में वैश्विक लीडरों में शामिल करना है।

यूपीआई: सहज डिजिटल भुगतान का आधार

वैश्विक स्तर पर होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल भुगतान में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है। यह ट्रांजैक्शन की संख्या के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम भुगतान सिस्टम बन गया है।

ट्रांजैक्शन की संख्या: यूपीआई ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 314.23 लाख करोड़ मूल्य के कुल 24,161.69 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए।

भारत का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान नेटवर्क: यूपीआई 55.49 करोड़ से अधिक व्यक्तियों, 6.5 करोड़ व्यापारियों को सेवाएं प्रदान करता है और 731 बैंकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ता है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम बनता है।

भारत के डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी: वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के कुल डिजिटल पेमेंट ट्रांजेक्शन में अकेले यूपीआई की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही।

मासिक ट्रांजेक्शन में अभूतपूर्व वृद्धि: भारत भर में यूपीआई को तेजी से अपनाए जाने के कारण इसके मासिक ट्रांजेक्शन वर्ष 2016 के महज 0.01 करोड़ प्रति माह से बढ़कर 2025 तक 2,000 करोड़ से अधिक प्रति माह हो गए।

यूपीआई का वैश्विक विस्तार: यूपीआई अब सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, मॉरीशस और कंबोडिया जैसे 11 देशों में स्वीकार किया जा रहा है।

डिजिटल व्यापार

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी): ओएनडीसी एक ऐसा खुला डिजिटल वाणिज्य नेटवर्क बना रहा है, जो अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद खरीदारों और विक्रेताओं को आपस में जोड़ता है।

जून 2026 तक, इसके 20 करोड़ से अधिक खरीदार, 5 लाख विक्रेता, 1,000 शहरों में उपस्थिति और लगभग 90 लाख मासिक ट्रांजेक्शन हो चुके हैं।

ई-सरस (eSaras) और इंडियाहैंडमेड (Indiahandmade) के साथ इसके इंटीग्रेशन ने 11 से अधिक बायर ऐप्स के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), बुनकरों और कारीगरों के लिए बाजार तक पहुँच का विस्तार किया है, जबकि 'सहायक' व्हॉट्सएप बॉट (Sahayak WhatsApp Bot) 5 भाषाओं में छोटे व्यवसायों की सहायता कर रहा है।

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM): जेम (GeM) ने पब्लिक प्रोक्योरमेंट को पारदर्शी, कुशल और पेपरलेस बनाकर इसमें बड़ा बदलाव लाया है।

जून 2026 तक, इसने 18.4 लाख करोड़ से अधिक का कुल ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) दर्ज किया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5 लाख करोड़ शामिल हैं। इसके साथ ही, इसने 11 लाख से अधिक एमएसएमई को सरकारी बाजारों तक पहुँच प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

स्वायत्त (SWAYATT) पहल: महिला और युवा-संचालित उद्यमों के लिए स्टार्टअप रनवे–'स्वायत्त' पहल स्टार्टअप्स, महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को सीधे सरकारी खरीदारों तक पहुँच प्रदान करके 'जेम'(GeM) के माध्यम से समावेशी सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 तक, महिला-संचालित व्यवसायों ने 83,323 करोड़ और स्टार्टअप्स ने कुल ऑर्डर मूल्य में 54,005.8 करोड़ दर्ज किए, जो इस पहल की बढ़ती पहुँच को दर्शाता है।

जी2सी (G2C - सरकार से नागरिक) सेवाओं में क्रांति लातीं ई-गवर्नेंस पहलें

डिजीलॉकर: डिजीलॉकर कागजी दस्तावेजों की जगह एक सुरक्षित डिजिटल वॉलेट की सुविधा दे रहा है। 31 जुलाई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 72 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं और 934 करोड़ से अधिक दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं।

उमंग (UMANG): उमंग सरकारी सेवाओं के लिए एक सिंगल डिजिटल गेटवे बन गया है। इसकी सेवाएं 2017 की 166 सेवाओं से बढ़कर 23 जुलाई 2026 तक 2,585 सेवाएं हो गई हैं। इसके ट्रांजेक्शन भी 4.6 करोड़ से बढ़कर 23 जुलाई 2026 तक 798 करोड़ से अधिक हो गए हैं, जो इसके व्यापक डिजिटल उपयोग को दशार्ता है।

आधार (Aadhaar): आधार ने सुरक्षित और त्वरित डिजिटल ऑथेंटिकेशन के लिए एक विश्वसनीय बायोमेट्रिक पहचान प्लेटफॉर्म तैयार किया है। आधार जनरेशन वर्ष 2010-11 के 0.42 करोड़ से बढ़कर जुलाई 2026 तक 145 करोड़ से अधिक हो गई है।

कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी): सीएससी सरकार से नागरिक (G2C) ई-सेवाओं के लिए फिजिकल एक्सेस पॉइंट प्रदान करते हैं, जिससे सरकारी कार्यालयों जाने की आवश्यकता कम हो जाती है। जून 2026 तक, पूरे भारत में 5.16 लाख से अधिक सीएससी कार्यरत थे।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी): आधार-लिंक्ड डीबीटी के माध्यम से 56 मंत्रालयों की 318 योजनाओं के कल्याणकारी लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा रहे हैं। इसके तहत अब तक देश भर में 52 लाख करोड़ से अधिक की राशि सीधे खातों में स्थानांतरित की जा चुकी है।

विस्तार से पढ़ें: डिजिटल इंडिया पहल

शिक्षा तक पहुँच को बढ़ावा देते डिजिटल प्लेटफॉर्म्स

दीक्षा (DIKSHA): दीक्षा पाठ्यक्रम से जुड़ा कंटेंट, क्यूआर-कोड युक्त पाठ्यपुस्तकें, शिक्षक प्रशिक्षण और सुलभ शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराता है। 10 अगस्त 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 2.35 करोड़ पंजीकृत उपयोगकर्ता और 3.58 लाख दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

स्वयं (SWAYAM): स्वयं कक्षा 9वीं से लेकर पोस्ट-ग्रेजुएशन स्तर तक के मुफ़्त कोर्स प्रदान करता है। 10 अगस्त 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर विभिन्न विषयों के 20,000 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं और कुल नामांकन 6.5 करोड़ से अधिक हो चुका है।

स्वयं प्रभा (SWAYAM Prabha): स्वयं प्रभा GSAT-15 उपग्रह का उपयोग करके 40 डीटीएच चैनलों के माध्यम से 24X7 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इससे छात्र बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी के भी पढ़ाई तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं।

पीएम ई-विद्या (PM e-Vidya): पीएम ई-विद्या निरंतर और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'दीक्षा', 'स्वयं', 'स्वयं प्रभा', कम्युनिटी रेडियो और शैक्षणिक टेलीविजन को एक साथ जोड़ता है।

ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (APAAR): APAAR छात्रों को उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और सत्यापित करने के लिए एक यूनिक डिजिटल एकेडमिक पहचान प्रदान करता है। जून 2026 तक 33.74 करोड़ से अधिक APAAR आईडी बनाई जा चुकी हैं।

परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त कदम: एक मजबूत और पारदर्शी तंत्र

31 जुलाई 2026 को लोकसभा में पेश किए गए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' में कड़े दंड और समयबद्ध न्याय प्रणाली का प्रस्ताव है। इस विधेयक के तहत, व्यक्तिगत रूप से गड़बड़ी करने वाले दोषियों को 5 से 10 साल की जेल और 50 लाख तक के जुमार्ने का प्रावधान है। सेवा प्रदाताओं (सर्विस प्रोवाइडर्स) पर 5 करोड़ तक का जुमार्ना और 8 साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा, जबकि संगठित परीक्षा-धांधली सिंडिकेट्स को 7 से 10 साल की जेल और कम से कम 10 करोड़ का जुमार्ना भुगतना होगा। जांच 2 महीने के भीतर, आरोप पत्र दाखिल होने के 3 महीने के भीतर सुनवाई और याचिका स्वीकार होने के 3 महीने के भीतर उच्च न्यायालय में अपीलों का निपटारा किया जाना अनिवार्य है।

भारत के डिजिटल वर्कफोर्स को सशक्त बनाती पहलें

फ्यूचरस्किल प्राइम (FutureSkills PRIME): यह शिक्षार्थियों को आज के तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य के लिए आवश्यक अत्याधुनिक डिजिटल स्किल्स से लैस करता है। 10 अगस्त 2026 तक, डिजिटल स्किलिंग के लिए इस प्लेटफॉर्म पर 34 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं।

स्किल इंडिया डिजिटल हब (SIDH): सिद्ध (SIDH) कौशल विकास (स्किलिंग), डिजिटल लर्निंग और रोजगार के अवसरों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाता है। 2 अगस्त 2026 तक, इस पर 20.10 मिलियन पंजीकरण दर्ज हो चुके हैं, 3,643 सेल्फ-पेस्ड कोर्स उपलब्ध हैं और 1 मिलियन से अधिक अवसर उत्पन्न किए गए हैं।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT): नाइलिट (NIELIT) भारत भर में अपने 56 केंद्रों और 9,000 से अधिक भागीदार संस्थानों के माध्यम से 'अवेयरनेस इन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स' (एसीसी) और 'कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स' (सीसीसी) सहित डिजिटल साक्षरता और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करता है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में 31.92 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

इंडिया-एआई मिशन: इंडिया-एआई मिशन एआई शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और जिम्मेदार एआई अपनाने को मजबूत कर रहा है। यह इंडिया-एआई कोश जैसी पहलों के माध्यम से स्कूलों, उच्च शिक्षण संस्थानों और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एआई कौशल विकास को बढ़ावा दे रहा है।

विस्तार से पढ़ें: एआई के साथ भारत का सशक्तिकरण एवं रूपांतरण

डिजिटल क्षेत्र में भारत का बढ़ता प्रभाव

भारत का बढ़ता डिजिटल प्रभाव नागरिकों, व्यवसायों और संस्थानों के सरकार और अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ने के तरीके को बदल रहा है। तेजी से बढ़ता डिजिटल इकोसिस्टम त्वरित सेवाएं, अधिक पारदर्शिता और व्यापक पहुँच सुनिश्चित कर रहा है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) नवाचार, उद्यमिता और समावेशी विकास के लिए एक मजबूत नींव तैयार कर रहा है। उभरती प्रौद्योगिकियों एवं उन्नत तकनीकों का बढ़ता इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर खोल रहा है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल उपस्थिति को मजबूत कर रहा है। डिजिटल क्षमताएं गवर्नेंस को अधिक जवाबदेह, कुशल और नागरिक-केंद्रित भी बना रही हैं। यह बदलाव तकनीक को आर्थिक अवसरों और सामाजिक विकास के एक प्रमुख माध्यम के रूप में स्थापित कर रहा है। ये सभी प्रगति मिलकर एक डिजिटली सशक्त और 'विकसित भारत' की नींव को मजबूत कर रही हैं।

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6:05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की गई है। भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स को देखते हुए भी निगरानी रखी जा रही है।

जेल में भी नहीं सुधरे प्रज्वल रेवन्ना : बैरक से मिला फोन में पोर्न वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें एक बार फिर काफी बढ़ गई हैं। बेंगलुरु की उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अचानक की गई छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं को उनकी बैरक से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस डिवाइस में लगभग 80 से 90 डाउनलोड किए गए अश्लील वीडियो मिले हैं, जिससे जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए चलाए गए औचक तलाशी अभियान के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद फोन में मिले अधिकांश वीडियो भारतीय अश्लील कंटेंट से जुड़े हैं। इसके अलावा जांचकर्ताओं को डिवाइस के भीतर ऐसे समाचार पत्रों की डिजिटल कटिंग भी मिली हैं, जिनमें महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्रियां थीं। फिलहाल इस मोबाइल फोन को विस्तृत फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिबंधित सामग्री कब और कैसे जेल के अंदर पहुंची, इसका इस्तेमाल कौन-कौन करता था और इसमें अन्य कौन सी डिजिटल फाइलें मौजूद थीं। जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि सीसीबी ने मंगलवार को जेल में चार से पांच घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना की बैरक से यह फोन जब्त किया गया। इस गंभीर लापरवाही के सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में सहायक अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि बेंगलुरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जेल के भीतर इस तरह की प्रतिबंधित चीजें कैसे पहुंच रही हैं।

रांची में छात्र प्रदर्शन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 600 पर एफआईआर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रांची पुलिस ने हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई कर करीब 600 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। इसमें 100 लोग नामजद हैं, जिसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के युवा कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं, जबकि 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की गहन जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस दौरान 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल, सोमवार को हजारों छात्र और अभ्यर्थी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे। उनकी मुख्य मांग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना है। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ दीं और पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी खुद के घायल होने का दावा किया है, जिससे वहां तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया। अधिकारियों ने पाया कि आरोग्य सौधा की कैंटीन में साफ़-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था और कुछ खाने-पीने की चीज़ें एक्सपायरी हो चुकी थीं। जांच टीम ने यह भी पाया कि खाने-पीने की चीज़ों को फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नियमों के मुताबिक स्टोर नहीं किया जा रहा था। टीम ने यह भी पाया कि कीड़ों से बचाव के जरूरी उपाय नहीं किए गए थे।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

-उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल तक रोक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, ले जाने-पहुंचाने, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि यह रोक अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगी यानी कर्नाटक में इन प्रतिबंधित उत्पादों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अब मुश्किलें बढ़ सकती है।

सरकार ने इस बार पूरी सप्लाई चेन को जांच के दायरे में रखा है। इसका मतलब है कि अगर कोई प्रतिबंधित उत्पाद बाजार में पहुंच रहा है, तो विभाग केवल दुकान तक पहुंचकर जांच नहीं करेगा। सामान कहां बना, कहां रखा और किस रास्ते से बाजार तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रतिबंधित उत्पादों का सर्कुलेशन रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना जारी होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में कार्रवाई तेज कर दी है। फूड सेफ्टी अधिकारियों की निगरानी में जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना है। सरकार ने इस अभियान में आम लोगों से भी सहयोग मांगा है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को प्रतिबंधित तंबाकू या निकोटीन वाले उत्पादों के बनने, बिकने या बांटे जाने की जानकारी मिलती है तो वह संबंधित अधिकारियों को सूचना दे। विभाग का कहना है कि लोगों की भागीदारी से प्रतिबंधित उत्पादों की उपलब्धता रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसे स्वस्थ और नशा-मुक्त कर्नाटक की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

मेघालय में तीन महीने में एचआईवी के 574 नए मामले

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 574 नए एचआईवी संक्रमण सामने आए हैं। इनमें 16 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने जागरूकता, जांच और रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया है। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में करीब 52 प्रतिशत एचआईवी संक्रमण आकस्मिक यौन संपर्क से जुड़े हैं। वहीं 32 प्रतिशत मामले नियमित पार्टनर या पति-पत्नी के माध्यम से हुए। संक्रमित सुई या सीरिंज साझा करने से नशीली दवाओं के इंजेक्शन उपयोग में 9 प्रतिशत, व्यावसायिक यौन संपर्क से 4 प्रतिशत और मां से बच्चे में संक्रमण के करीब 2.5 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शिलांग के लेडी कीन कॉलेज में स्टेटवाइड इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री वाइलाडमिकि शायला ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार, शिक्षण संस्थानों, समुदायों, स्वास्थ्यकर्मियों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अभियान के तहत 126 गांव, 3,000 स्कूल और 85 कॉलेज तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 15 हजार घरों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। फ्लैश मॉब, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. के.एल. इआबोर ने कहा कि HIV को लेकर गलत जानकारी और सामाजिक भेदभाव अभी भी बड़ी चुनौती है। उन्होंने शुरुआती जांच और समय पर उपचार के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए पांच वर्षीय योजना को मंजूरी दी है। अभियान में सुरक्षित व्यवहार, संक्रमित सुई से बचाव, मां से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित रक्त से बचाव पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी के सामने ताइक्वांडो खिलाड़ी के बयान पर मचा बवाल

-बाद में वीडियो जारी कर दी सफाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एक ताइक्वांडो खिलाड़ी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीएम धामी मीडिया के सामने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री को जो कहानी सुनाई, उसने सियासी गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, विवाद बढ़ता देख छात्रा ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी बात पर सफाई दी है और कहा कि वह कार्यक्रम में अपनी पूरी बात नहीं रख पाई थी।

पहले वायरल वीडियो में छात्रा ने सीएम धामी से शिकायत करते हुए कहा था कि वह लोकल नेशनल खेलने गई थी जहां उसका गोल्ड मेडल आया और इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ, लेकिन वहां डेढ़ लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जिस वजह से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वासन देते हुए बैठने को कहा था। यह वीडियो सामने आने के बाद खेल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। विवाद बढ़ने पर छात्रा ने खुद एक नया वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उसने स्पष्ट किया कि वह सिया गर्ल्स स्कूल में 12वीं की छात्रा है और 10 तारीख को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी बात नहीं रख पाई थी। उसने बताया कि वह नेशनल खेलने जम्मू गई थी, जहां से रोमानिया में होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका सिलेक्शन हुआ था। फेडरेशन उसे 1 लाख 70 हजार रुपये दे रही थी, लेकिन बाकी का खर्च उसे खुद उठाना था। उसने यह बात अपने स्कूल में किसी को नहीं बताई थी, जिस कारण वह प्रतियोगिता में नहीं जा सकी। इस सफाई के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

हिमाचल में कहर: 163 लोगों की मौत और 910 करोड़ का नुकसान

14 अगस्त से फिर भारी बारिश का अलर्ट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के बीच लोगों को बुधवार को कुछ देर के लिए राहत मिली थी और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली थी। हालांकि, यह राहत ज्यादा लंबी नहीं टिकने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त से प्रदेश में मानसूनी बारिश के फिर से रौद्र रूप दिखाने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का नया येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अचानक जलस्तर बढ़ने का बड़ा खतरा बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं का यह दौर कितना भयानक रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार 30 जून से लेकर अब तक मानसून सीजन में कुल 163 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 70 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 93 मौतें सड़क हादसों के कारण हुई हैं, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं।

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बीते 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से 313 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। इसके अलावा, 112 ट्रांसफार्मर ठप पड़ने से कई इलाकों में बिजली गुल है, जबकि 65 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आपदाओं की इस फेहरिस्त में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं भी सामने आई हैं। हाल ही में सिरमौर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बिना बारिश के ही एक तीन मंजिला मकान अचानक ढह गया, जिससे मलबे में दबकर एक महिला और उसकी गर्भवती बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, सोलन के पास नेशनल हाईवे पर कार पर पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई थी और उसका परिवार घायल हो गया था। इसके अलावा, राज्य भर में सैकड़ों पक्के और कच्चे मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से जमींदोज हो चुके हैं, और पशुशालाओं तथा पशु-पक्षियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। राजस्व विभाग और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल को बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों को मिलाकर 910 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली और बागवानी समेत कई विभागों की संपत्तियों को क्षति पहुंची है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 से 18 अगस्त तक भी बारिश का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात के तौर पर नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को लेकर दिए गए कथित 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस टिप्पणी के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन पिटीशन पर अब तक 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए प्रियंका गांधी से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने की अपील की गई है।

यह ऑनलाइन पिटीशन एक अगस्त को चेंज डॉट ओआरजी पर शुरू की गई थी। आयोजकों के अनुसार, इसे देश के विभिन्न राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा दावा किया जारहा है कि 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी याचिका का समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता से जुड़ा मामला बताया है।

संसद में टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद शुरू हो गया। याचिका शुरू करने वालों ने टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोजकों का कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम, शोध और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए। उनका दावा है कि इस तरह की भाषा से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ सकता है, जिसका वे नेतृत्व कर रहे हैं।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

याचिका के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष से मामले पर संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही प्रियंका गांधी से टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की अपील की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक बयानबाजी के साथ-साथ वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय में सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

4.8 करोड़ श्रद्धालुओं के जाने के बाद हरिद्वार में निकला 7000 टन कूड़ा!

-कांवड़ यात्रा के बाद कचरे का अंबार, सफाई में जुटा प्रशासन

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में इस बार करीब 4.8 करोड़ श्रद्धालुओं ने यात्रा पूरी की, जिसमें केवल अंतिम दो दिनों में ही एक करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान चारों ओर भोले के जयकारे गूंजते रहे और भक्ति का माहौल रहा। हालांकि, यात्रा के समापन के बाद हरिद्वार प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। कांवड़ियों के लौटने के बाद गंगा घाटों, पार्किंग स्थलों और कैंपों में भारी मात्रा में कूड़े-कचरे का अंबार लग गया है।

प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो हफ्तों के भीतर शहर में लगभग 7,000 मीट्रिक टन कचरा जमा हो गया है। गंगा के पवित्र घाटों, जहां श्रद्धालु स्नान करते हैं, वहां बड़ी मात्रा में पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, पॉलीथिन, प्लास्टिक की बोतलें और खाने-पीने का सड़ा हुआ सामान पड़ा मिला। इससे न केवल गंदगी फैली है, बल्कि घाटों पर बदबू का आलम भी बना हुआ है। शहर की सफाई व्यवस्था पर इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सामान्य दिनों में हरिद्वार प्रशासन प्रतिदिन लगभग 250 टन कचरा ही संभालता है, लेकिन इस बार स्थिति बेहद विकट हो गई है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम ने युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू किया है। इस महा-अभियान में एक हजार से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया, जो लगातार 24 घंटे काम कर रहे हैं। कचरे के इस विशाल ढेर को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का सहारा लिया गया और 89 से अधिक बड़े ट्रकों के माध्यम से कचरे को शहर से बाहर भेजा गया। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के स्वरूप में बदलाव आया है। पहले यह यात्रा शांत और श्रद्धापूर्ण होती थी, लेकिन अब इसमें शोर-शराबा और बड़े वाहनों का उपयोग बढ़ गया है, जिससे अव्यवस्था और गंदगी भी बढ़ी है। फिलहाल, सुभाष घाट, नई घाट, अलकनंदा और विष्णु घाट जैसे प्रमुख स्थानों को लगभग 95 प्रतिशत तक साफ कर लिया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता जल्द से जल्द पूरे शहर को स्वच्छ बनाने की है ताकि आम लोगों और पर्यटकों को होने वाली असुविधा से निजात दिलाई जा सके।

आधुनिक युद्धों में आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर किया जा रहा है प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदतलते समय के साथ युद्धों की रणनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। अब युद्ध सीमाओं पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विरोधी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर प्रहार किया जा रहा है। विरोधी देश को कमजोर करने के लिए उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

आधुनिक युद्ध में तेल रिफाइनरियां, गैस पाइपलाइन, बिजली संयंत्र, ऊर्जा भंडारण केंद्र और समुद्री तेल परिवहन मार्ग सबसे संवेदनशील लक्ष्य बनकर उभरे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी देश की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित कर उसकी सैन्य क्षमता, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर एक साथ प्रभाव डाला जा सकता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों ने इस बदलती रणनीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। इन संघर्षों में ऊर्जा से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका उद्देश्य केवल भौतिक नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि विरोधी देश की युद्ध क्षमता और आर्थिक संसाधनों को प्रभावित करना भी है। इससे यह संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध में ऊर्जा आपूर्ति शृंखला अब किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्तियों में शामिल हो चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी देश की तेल आपूर्ति बाधित हो जाती है या उसकी रिफाइनरियां और गैस नेटवर्क प्रभावित होते हैं, तो इसका असर केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहता। सेना के टैंक, लड़ाकू विमान, बख्तरबंद वाहन और अन्य सैन्य संसाधन ईंधन पर निर्भर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, तेल निर्यात से होने वाली आय कई देशों के लिए युद्ध संचालन का प्रमुख आर्थिक स्रोत होती है। ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने से राजस्व में कमी आती है और युद्ध संचालन की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन के जरिए रूस के भीतर स्थित कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। विभिन्न हमलों के बाद कई ऊर्जा केंद्रों में आग लगने और उत्पादन प्रभावित होने की खबरें सामने आईं।

इन घटनाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए दूर स्थित रणनीतिक ठिकानों तक भी पहुंच बनाई जा सकती है। इसी प्रकार, पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनावों के दौरान ऊर्जा संयंत्रों, गैस नेटवर्क और बिजली अवसंरचना को लेकर भी लगातार सुरक्षा चिंताएं बनी रही हैं। ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों और उनके जवाबी प्रभावों को लेकर क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लगातार चर्चा होती रही है। विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता ने युद्ध की परिभाषा को बदल दिया है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है, समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं या ऊर्जा उत्पादन ठप पड़ता है, तो उसका असर केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों, महंगाई, आपूर्ति शृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल, डीसी- एसपी ने लिया परेड का जायजा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर आज मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहेबगंज में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। वहीं फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड की विभिन्न टुकड़ियों का निरीक्षण करते हुए सलामी ली तथा जवानों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर एवं सार्जेंट के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से मार्च-पास्ट का पूर्वाभ्यास किया। वहीं पूर्वाभ्यास कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया गया तथा परेड की सलामी ली गई। स्कूली छात्राओं द्वारा ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीय गीत एवं ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का भी पूर्वाभ्यास किया गया। साथ ही उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समारोह स्थल पर सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अतिथियों एवं आम नागरिकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, मंच, पंडाल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर भव्य पंडाल एवं अन्य व्यवस्थाओं का कार्य अंतिम चरण में है। वहीं स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण एवं परेड के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

ध्वजारोहण की समय-सारणी

सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, मुख्य समारोह स्थल पूर्वाह्न 9:15 बजे, समाहरणालय साहेबगंज पूर्वाह्न 10:35, विकास भवन साहेबगंज पूर्वाह्न 10:55, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पूर्वाह्न 11:15, पुलिस लाइन कार्यालय पूर्वाह्न 11:25, अनुमंडल कार्यालय साहेबगंज पूर्वाह्न 11:45 बजे इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कार्यालयों एवं विद्यालयों में मुख्य समारोह स्थल पर निर्धारित झंडोत्तोलन कार्यक्रम से पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा। वहीं फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावा जिले के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जवान, एनसीसी कैडेट्स, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

ग्रामीण विकास को गति देने वीबीजीआरएएमजी का प्रशिक्षण आयोजित

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को बीडीओ सह अंचल अधिकारी मोहम्मद यूसुफ की अध्यक्षता में विलेज बेसिक ग्रामीण एवं मोबिलाइजेशन ग्रामीण का प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आधारभूत संरचना तथा डिजिटल उपस्थिति प्रणाली को मजबूत करना रहा। इस दौरान बीडीओ मोहम्मद यूसुफ ने योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल प्रणाली के माध्यम से ग्रामीण योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और कार्यक्षमता बढ़ेगी। साथ ही उन्होंने युक्तधारा एवं एसएनए स्पर्श उपस्थिति प्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि डिजिटल माध्यम से कर्मियों की उपस्थिति और कार्य निष्पादन की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। प्रशिक्षण में बीपीओ गगन बापू, सहायक अभियंता विकास कुमार, कनीय अभियंता मो. एहसानुल जमील, दीपनारायण मंडल, भैया बेसरा सहित सभी मुखिया, पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे। प्रतिभागियों को योजना के तहत उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। इस दौरान ग्रामीण योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा योजनाओं को धरातल पर प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर दिया। प्रशिक्षण का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण को ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने किया प्रखंड स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में गुरुवार को प्रखंड स्तरीय स्टेयरिंग सह मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने मध्याह्न भोजन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में विद्यालयों में मध्याह्न भोजन बंद नहीं होना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रतिदिन मेनू की अनुसार मध्याह्न भोजन,पाठशाला और विद्यालय परिसर में साफ सफाई, शत-प्रतिशत एसएमएस, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। मौके पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अमर कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत, महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम सहित अन्य मौजूद थे।

संस्कृति ज्ञान महाअभियान का शुभारंभ

साहेबगंज(बिभा) । विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहेबगंज के वंदना कक्ष में गुरुवार को संस्कृति ज्ञान महाअभियान का शुभारंभ किया गया। वहीं कार्यक्रम का उद्घाटन श्याम मंदिर के पुजारी सोनू पांडे, वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता एवं संस्कृति बोध परियोजना के साहेबगंज संकुल संयोजक आचार्य राघव वत्स ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सरस्वती माता, ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए। वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता ने सोनू पांडे को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोनू पांडे ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृतियों में से एक है। इसमें केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के लिए जीवन मूल्यों एवं आदर्शों की अभिव्यक्ति देखने को मिलती है। वहीं आचार्य राघव वत्स ने कहा कि अनेकता में एकता भारत की सांस्कृतिक विशेषता है। भारतीय संस्कृति विविधताओं के बावजूद सभी को एक सूत्र में बांधने का संदेश देती है। इस दौरान सोनू पांडे एवं विद्यालय के समस्त आचार्य बंधुओं ने संस्कृति ज्ञान महाअभियान की पुस्तकों का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।

लोको रनिंग स्टाफ ने मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

साहेबगंज(बिभा) । ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के केंद्रीय वर्किंग कमिटी के आह्वान पर गुरुवार को देशव्यापी कार्यक्रम के तहत साहेबगंज क्रू बुकिंग लॉबी के समक्ष लोको रनिंग स्टाफ ने धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने कैडर पुनर्गठन सहित विभिन्न मांगों को लेकर रेलवे बोर्ड के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोको रनिंग स्टाफ का पिछला कैडर रिस्ट्रक्चरिंग वर्ष 2009 में हुआ था। इसके बाद करीब 17 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नए कैडर स्ट्रक्चर की रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। कैडर पुनर्गठन कमेटी का गठन हुए भी करीब पांच वर्ष हो चुके हैं, बावजूद इसके रिपोर्ट लंबित है। कर्मचारियों ने कहा कि वे आज भी पुराने कैडर स्ट्रक्चर के तहत कार्य करने को मजबूर हैं। एसोसिएशन ने आठवें वेतन आयोग के मद्देनजर ग्रेड पे में उचित सुधार, कैडर की पुनर्संरचना, काम के अनुरूप उचित वेतन, नियमानुकूल सेवा शर्तें तथा लोको रनिंग स्टाफ के बेहतर भविष्य की मांग की। वहीं कर्मचारियों ने कहा कि लोको रनिंग स्टाफ का कार्य अन्य कर्मचारी श्रेणियों से अलग और अत्यंत जिम्मेदारी वाला है। ट्रेन संचालन के दौरान एकाग्रता एवं सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है तथा हजारों यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लोको पायलटों पर रहती है। परिचालन में छोटी सी चूक के लिए भी कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे में कार्य की कठिनाई, कौशल, रिस्पॉन्स और जोखिम के आधार पर अलग-अलग स्तर निर्धारित किया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने सहायक लोको पायलट के लिए लेवल-6, लोको पायलट शंटर ग्रेड-2 के 50 प्रतिशत पदों के लिए लेवल-6, शंटर ग्रेड-1 के 50 प्रतिशत पदों के लिए लेवल-7, गुड्स लोको पायलट के लिए लेवल-7, पैसेंजर लोको पायलट के लिए लेवल-8, मेल लोको पायलट के लिए लेवल-9 तथा हाई स्पीड, वंदे भारत एवं अमृत भारत ट्रेनों के लोको पायलट के लिए लेवल-10 की मांग रखी। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष कामरेड रवि रंजन ने की। मौके पर कामरेड दिवाकर, गोपाल, रवि रंजन, राजीव, शिशुपाल, पीके प्रभाकर, रंजन कुमार सहित अन्य लोको रनिंग स्टाफ मौजूद थे।

भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की ओर से गुरुवार को जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष गौतम यादव के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं, मातृशक्ति, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं तिरंगा यात्रा की शुरूआत शहीद चौक पर शहीदों को माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थल पर पहुंची, जहां माल्यार्पण के साथ इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान मार्ग में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अनंत ओझा, पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद, कृपानाथ मंडल एवं धर्मेंद्र कुमार मौजूद रहे। यात्रा के संयोजक जिला महामंत्री साखलू सोरेन तथा सह-संयोजक जिला महामंत्री धनंजय कुमार मंडल रहे। इस दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल, वरिष्ठ पदाधिकारी सोनेलाल ठाकुर, राजेश मंदक, श्यामल दास, पंकज घोष, कृष्णा शर्मा, धीरन तांती, बप्पी निर्मल साह, संजीव गया, सागर मंडल, चांदनी देवी, चंद्रभान शर्मा, प्रेमलाल मंडल, नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी, ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग राहुल, शिवम शर्मा, संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं यात्रा के दौरान ह्यभारत माता की जयह्ण और ह्यवंदे मातरम्ह्ण के नारों से पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंग गया। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकताओं एवं नागरिकों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। वहीं पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों से बना राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आजादी, संघर्ष, बलिदान, एकता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उनके त्याग और संघर्ष के कारण आज देशवासी स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। ऐसे में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर सपूतों को नमन करने का दिन है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, एकता और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

खनिज विधेयक कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने की साजिश : कमलेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने लोकसभा में पेश किए गए माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेग्युवलेशन) एमेंडमेंट बिल- 2025 को संघीय ढांचे को कमजोर करने वाला कदम बताया है।

कमलेश ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि खनिज संपदा जिस राज्य की जमीन से निकलती है, उस राज्य और वहां के लोगों का उसके लाभ पर पहला अधिकार होना चाहिए। केंद्र सरकार राज्यों के अधिकारों को सीमित कर अपने हाथों में अधिक शक्तियां केंद्रित करना चाहती है, जो संविधान की संघीय भावना पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के जरिए बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए खनन क्षेत्र में रास्ता। आसान किया जा रहा है। देश के प्राकृतिक संसाधन जनता की संपत्ति हैं, किसी चुनिंदा उद्योगपति या कॉरपोरेट समूह की जागीर नहीं। झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य में खनन का सीधा असर जल, जंगल और जमीन पर पड़ता है। इसलिए आदिवासियों और स्थानीय लोगों के अधिकारों तथा ग्राम सभाओं की भूमिका को कमजोर करने वाला कोई भी प्रयास कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

महापौर के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान में तालाब की हुई सफाई

देवघर। श्रावणी मेला के बीच बाबा नगरी को स्वच्छ नकएर सुंदर बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में देवघर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-7 स्थित मंगल तालाब में महापौर रवि राउत के नेतृत्व में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब और उसके आसपास के परिसर को गंदगी से मुक्त कराया गया। श्रावणी मेला के दौरान देवघर में लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। ऐसे में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। मंदिर के आसपास जलजमाव, गंदगी और सफाईकर्मियों की संख्या को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे हैं। इसी को देखते हुए नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान महापौर रवि राउत के साथ नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, स्थानीय पार्षद सहित नगर निगम के पदाधिकारी और कर्मियों ने श्रमदान किया। इस दौरान मंगल तालाब और आसपास के क्षेत्र में जमा कचरे और गंदगी को हटाया गया। मौके पर महापौर रवि राउत ने कहा कि जलस्रोतों को स्वच्छ रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों ने एकजुट होकर जिस तरह श्रमदान किया है, उससे यह संदेश जाता है कि सामूहिक प्रयास से देवघर का हर कोना स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जमुना दास चौधरी बालिका उच्च विद्यालय, साहेबगंज में किशोरियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम के दौरान सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत, बाल संरक्षण, पॉक्सो एक्ट, गुड टच-बैड टच, डिजिटल साक्षरता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, डायन प्रथा उन्मूलन तथा सखी वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न विषयों पर जागरूक किया गया। वहीं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बालिकाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं सहायता सेवाओं की जानकारी देते हुए शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन सहित प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर एवं फोस्टर केयर सेवाओं की भी जानकारी दी। वहीं अभियान के तहत ह्लएक पेड़ बेटी के नामह्व पहल के अंतर्गत किशोरियों ने पौधारोपण किया। वहीं, बालिकाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर संरक्षण पदाधिकारी (गैर-संस्थागत देखरेख) मीना कुमारी, परियोजना समन्वयक मंथन अमन वर्मा, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक मो. इकबाल, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण एवं संबंधित पदाधिकारी-कर्मी उपस्थित रहे।

ट्रेन में यात्री से मोबाइल छीनने का आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल बरामद

बिभा संवाददाता

बरहरवा । कामाख्याझगया एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्री से मोबाइल फोन छीनकर फरार होने के मामले में आरपीएफ बरहरवा ने कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान इरफान अंसारी, पिता अख्तर अंसारी, निवासी मोगलपारा, पोस्ट इस्लामपुर, थाना बरहरवा जिला साहेबगंज के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी का ओपीपीओ एफ 21 प्रो 5 जी मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। वहीं जानकारी के अनुसार, 10 अगस्त को ट्रेन संख्या 15620 कामाख्याझगया एक्सप्रेस बोनिदंगा रेलवे स्टेशन पार करने के बाद बरहरवा की ओर जा रही थी। इसी दौरान जनरल कोच में दरवाजे के पास यात्रा कर रहे एक यात्री के हाथ से अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन छीनकर फरार होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद आरपीएफ बरहरवा के इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में टीम ने मामले की जांच शुरू की। संदिग्ध व्यक्ति की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी।

इसी क्रम में 13 अगस्त को आरपीएफ को गुप्त सूचना मिली कि घटना में शामिल संदिग्ध इरफान अंसारी रेलवे के किनारे रिले हट ईस्ट केबिन के पास अपने साथियों के साथ मौजूद है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर संजीव कुमार, उपनिरीक्षक लाल बहादुर माझी, कांस्टेबल अनिल कुमार साह एवं कांस्टेबल सतीश कुमार की टीम मौके पर पहुंची। आरपीएफ टीम को देखते ही एक युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम इरफान अंसारी बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से पुराना एवं इस्तेमाल किया हुआ ओपीपीओ एफ 21 प्रो 5 जी मोबाइल फोन बरामद हुआ। वहीं आरपीएफ के अनुसार, मोबाइल के संबंध में आरोपी से खरीद अथवा स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उक्त मोबाइल फोन उसने 10 अगस्त को ट्रेन संख्या 15620 के जनरल कोच में यात्रा कर रहे एक यात्री से छीनकर लिया था और घटना के बाद फरार हो गया था। इसके बाद गवाहों एवं आरोपी के पिता अख्तर अंसारी की मौजूदगी में इंस्पेक्टर संजीव कुमार द्वारा विधिवत जब्ती सूची तैयार कर मोबाइल फोन जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी तथा बरामद मोबाइल फोन एवं संबंधित दस्तावेजों को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए रेल थाना बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **44-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक** 11.08.2026 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल-कालुबथान स्टेशन यार्ड में अप एवं डाउन लूप लाइनों का विस्तार"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,22,26,597.75, **बयाना राशि:** रु. 2,44,500/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 03.09.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www. ireps.gov.in

ASN-211/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.:टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-20, दिनांक: 10.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 के द्वारा अपेक्षित निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. :टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-20, कार्य का नाम:** "निम्नलिखित टीआरडी कार्य: (i) आसनसोल मंडल: आइसोलेटेड सेक्शन में प्रवेश करने वाली ट्रेन की सुरक्षा के लिए स्टॉप सिग्नल के बाद इंसुलेटेड ओवरलैप को स्थानांतरित करना (ii) आसनसोल मंडल: क्रॉसओवर पर उलझनों (इंटैंगलमेंट) को रोकने के लिए पुराने हो चुके सेक्शन इंसुलेटर को बदलना। **निविदा मूल्य :** रु. 2,53,68,850.88, **बयाना राशि:** रु. 5,07,400/-, **खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 08.09.2026 को 15.00 बजे। **कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 60 दिन। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट:**ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-209/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत हुई इसके बाद भी इन दोनो कीमती धातुओं में कमजोरी आई है। कॉमेक्स पर सोना 4,465 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कामकाज कर रहा है। वहीं घरेलू बजार में सोने के वायदा भाव 1,54,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,37,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 189 रुपये उछलकर 1,55,071 रुपये की कीमत पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 170 रुपये नीचे आकर 1,54,712 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,145 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,54,694 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 165 रुपये की तेजी के साथ 2,38,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,37,835 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये टूटकर 2,36,825 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,38,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,37,300 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,468.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 4,467.50 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.45 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.70 डॉलर था।

एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की

नईदिल्ली ।

गुजरात की वाहन निर्माता कंपनी एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की है, जिसमें ईएक्स1, ईएक्स2 और ईएक्स2एस जैसे तीन मॉडल शामिल हैं। एवोर की इस श्रृंखला का सबसे खास मॉडल ईएक्स2एस है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज होने पर 260 किलोमीटर तक की प्रभावशाली दूरी तय कर सकती है। इसमें 5 किलोवाट-घंटे क्षमता वाली बड़ी बैटरी और 114 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है। ईएक्स2एस में आधुनिक 7 इंच की स्पर्श स्क्रीन और पांच अलग-अलग चलाने के तरीके भी दिए गए हैं, जिसकी शुरुआती कीमत 1.70 लाख रुपये है। श्रृंखला के शुरुआती मॉडल ईएक्स1 में 3.24 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 160 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है, जिसकी कीमत 1.23 लाख रुपये है। वहीं, ईएक्स2 मॉडल 5 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 255 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति प्रदान करता है, जिसकी कीमत 1.46 लाख रुपये है। एवोर की ये लंबी दूरी वाली इलेक्ट्रिक बाइक ओला और एथर जैसी स्थापित कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती हैं, जो मुख्य रूप से स्कूटर बाजार में मजबूत हैं। कंपनी का यह कदम उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है जो स्कूटर के बजाय मोटरसाइकिल जैसा अनुभव और लंबी दूरी चाहते हैं। कंपनी ने इन बाइक्स की अग्रिम बुकिंग केवल 799 रुपये में शुरू कर दी है, जिससे ग्राहकों के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकती है।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 113 अंक उछला, निफ्टी 40 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली होने से बाजार पर ये दबाव आया। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक बढ़कर 78,079.96 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक नीचे अकर 24,395.85 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4545 शेयरों में बढ़त जबकि 2,198 शेयरों में गिरावट आई । वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया । निफ्टी के प्रमुख शेयरों में टाटा कंज्यूमर, टाटा मोटर्स , एनटीपीसी और श्रीराम फाइनेंस सबसे अधिक बढ़त वाले शेयर रहे

जबकि हिंडाल्को इंड्रस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम और पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक गिरे।

2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी हीरो मोटोकार्प

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प कंपनी वर्ष 2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी। कंपनी का ध्यान अभी तक मुख्य रूप से विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर तक सीमित था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक बाइक श्रेणी में प्रवेश कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी इसके लिए दो बिल्कुल नए बाइक-विशिष्ट प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिनके नाम यूबीईएक्स और वीएक्सजेड हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये नए प्लेटफॉर्म मौजूदा विडा स्कूटर के ढांचे पर आधारित नहीं होंगे, बल्कि इन्हें विशेष रूप से बाइक की बेहतर सवारी, प्रदर्शन और चढ़ाई की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। यूबीईएक्स प्लेटफॉर्म शहरी और स्पोर्टी बाइक के लिए होगा, जबकि वीएक्सजेड को ज्यादा दमदार और साहसिक यात्राओं के लिए विकसित किया जा रहा है। वीएक्सजेड परियोजना में हीरो मोटोकॉर्प अमेरिकी कंपनी ज़ीरो मोटरसाइकिल्स के साथ सहयोग कर रही है, जो इलेक्ट्रिक बाइक तकनीक में विशेषज्ञता रखती है।यह साझेदारी प्रदर्शन-केंद्रित इलेक्ट्रिक बाइक तैयार करने में मदद करेगी। कंपनी ने 2025 में ईआईसीएमए मोटरसाइकिल प्रदर्शनी में इन प्लेटफॉर्म्स के अवधारणा मॉडल भी प्रदर्शित किए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरीं

मुम्बई ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में मांग कम होने से गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज ब्रेंट में करीब 1.5 फीसदी और डब्ल्यूटी आई क्रूड में 1.6 फीसदी की कमी आई। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता से भी ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की भी आशंका बनी हुई है जिससे भी इसकी कीमतों में तेजी रही। जानकारों के अनुसार अब तक हालात सामान्य नहीं होंगे कीमतें कम नहीं होंगी। अंतराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 1.29 डॉलर करीब 5 फीसदी फिसलकर 87.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.30 डॉलर तकरीबन 1.6 फीसदी नीचे आकर 81.97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने भी इस साल क्रूड की खपत में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी आने का अनुमान जताया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान के साथ युद्ध की वजह से उर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है जिससे इसकी कीमतें बढ़ी हैं। इससे मांग पर असर पड़ा है।दूसरी ओर अमेरिका में कच्चे तेल का स्टॉक बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, एक्सपोर्ट घटने के कारण बीते हफ्ते कच्चे तेल के भंडार में जनवरी 2023 के बाद की सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी कच्चा तेल भंडार 1.74 करोड़ बैरल बढ़कर 42.44 करोड़ बैरल हो गया। यह 5 जून के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में हालात सामान्य बनाने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

भारत के तीन बड़े बिजनेस परिवारों का कारोबार 42 लाख करोड़ रुपए

रिलायंस के मुकेश अंबानी समेत केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल

नई दिल्ली, ।

भारत में अमीरों की तादाद बढ़ रही है और बिजनेस परिवारों का कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2026 तक भारत के तीन सबसे बड़े कारोबारी घरानों की कंबाइंड नेटवर्थ 42 ट्रिलियन या करीब 42 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। इनमें अरबपति मुकेश अंबानी, केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक रिलांयस चेयरमैन मुकेश अंबानी तीनों बिजनेस फैमिली की संयुक्त संपत्ति का ये आंकड़ा भारत में लिस्टेड बाजार पूंजीकरण के करीब 9फीसदी के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में इन टॉप-3 बिजनेस फैमिली की संपत्ति के मूल्य में 1.57 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिसके चलते उनका संयुक्त मूल्यांकन 444 अरब डॉलर या 42 ट्रिलियन हो गया।

परिवारों की रैंकिंग में रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी की फैमिली 25.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पहले नंबर पर हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर केएम बिरला परिवार है, जिनकी पारिवारिक संपत्ति 8.1 लाख करोड़ है। वहीं तीसरे नंबर पर 8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जिंदल फैमिली है। भारत में पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसायों का दायरा टॉप तीन कंपनियों से कहीं ज्यादा बड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक टॉप-300 फैमिली बिजनेस का कंबाइंड वैल्यूएशन 138 ट्रिलियन रुपए आंका गया यानी करीब 1.46 ट्रिलियन डॉलर और ये आंकड़ा नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड और पोलैंड समेत कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है।

जून 2026 तक भारत के 10 सबसे मूल्यवान परिवारों की संयुक्त नेटवर्थ 70.5 लाख करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 69 ट्रिलियन रुपए थी। इन टॉप-10 लिस्ट में शामिल होने की सीमा भी एक साल की अवधि में करीब 14फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ हो गई, जो प्रमुख पारिवारिक व्यवसायों की वैल्यूएशन में तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता ग्रुप का संचालन करने वाले अरबपति अनिल अग्रवाल परिवार ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। साल भर में इसके वैल्यूएशन में 74.7फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह तीन स्थान ऊपर चढ़कर अब टॉप-10 लिस्ट में छठे पायदान पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में पहली पीढ़ी के कारोबारी परिवारों में टॉप पर अडानी ग्रुप के गौतम अडानी फैमिली का दबदबा रहा। अडानी परिवार का नेटवर्थ 19.57 लाख करोड़ रुपए आंकी गई। उनके बाद भारतीय एयरटेल के सुनील भारती मित्तल फैमिली 12.1 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ है।

पीक सीजन से पहले कंपनियां 15-20 फीसदी अस्थायी कर्मचारियों की करेंगी भर्ती

सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी

नई दिल्ली, ।

त्योहारी सीजन में संगठित रिटेल, ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स (क्यूकॉम), लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं वाली कंपनियों में अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती 15-20 फीसदी तक बढ़ सकती है। टीमलीज सर्विसेज की फेस्टिव सीजन वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक इस सीजन में सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी। इसके बाद स्टोर में प्रमोटर और विशेषज्ञ, रिटेल एसोसिएट्स, कैशियर और स्टोर परिचालन से जुड़े कर्मचारियों की जरूरत होगी। इसके अलावा इन्वेंट्री और फुलफिलमेंट समन्वयक, वेयरहाउस ऑटोमेशन परिचालक और रिटर्न प्रबंधक अधिकारियों जैसे नए तरह के पदों की मांग भी बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में भर्ती की रफ्तार सबसे ज्यादा रहने की उम्मीद है।

बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों में कंपनियां बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भर्ती कर सकती हैं। शहरों के स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। 2026 में अग्रिम पंक्ति के कुल कर्मचारियों में टीयर-1 शहरों की हिस्सेदारी 40.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2025 में 38.2 फीसदी थी। वहीं टीयर-2 शहरों की हिस्सेदारी 26.5 फीसदी और टीयर-3 शहरों की हिस्सेदारी 33 फीसदी रहने की उम्मीद है। पीक सीजन में कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति से जुड़े बोनस, बिक्री इवेंट के दौरान अतिरिक्त भुगतान, किसी की सिफारिश करने पर बोनस मिलने, प्रदर्शन के आधार पर इनाम और डिजिटल प्रशिक्षण जैसे कदम उठा रही हैं। टीमलीज के मुताबिक इस त्योहारी सीजन में ग्राहक सेवा, रिटेल और वेयरहाउस से जुड़ी भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की कोई बड़ी कमी नहीं है। अब सिर्फ कुछ दिनों की बिक्री को ध्यान में रखकर भर्ती नहीं कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस से लेकर दीवाली और साल के अंत तक चलने वाले लंबे सेल सीजन को देखते हुए वे ऐसी कार्यबल वाली टीम तैयार कर रही हैं जो लगातार काम कर सके।टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि त्योहारी सीजन में भर्ती अब सिर्फ ज्यादा लोगों को रखने तक सीमित नहीं है। कंपनियां तेजी, काम की उत्पादकता और ग्राहक अनुभव पर भी ध्यान दे रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.39 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे की गिरवट के साथ ही 95.40 के स्तर पर खुला। ये गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया वहीं रुपया बुध्वार को 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

चंद्रशेखरन के पद छोड़ने के बाद टाटा चेयरमैन की दौड़ शुरु, नरेंद्रन का नाम चर्चा में

नई दिल्ली।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा के साथ ही उनकी जगह लेने दौड़ शुरू हो गई है। शीर्ष पद की दौड़ में टाटा स्टील के टीवी नरेंद्रन का नाम उभरकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पद के लिए टाटा कंपनियों के प्रमुखों, बोर्ड सदस्यों के साथ ही बाहरी उम्मीदवारों पर भी विचार किया जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के अंदर चर्चित दावेदारों में टीवी नरेंद्रन, टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्र शामिल हैं। टाटा संस में उत्तराधिकारी चुनना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है। टाटा संस के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के आर्टिकल 118 के मुताबिक चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन समिति बनानी होती है। साइरस मिस्त्री की नियुक्ति के समय इसी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इसी तरह मिस्त्री को हटाए जाने के बाद पांच सदस्यों वाली एक चयन समिति बनाई गई, जिसने बाद में एन चंद्रशेखरन के नाम पर मुहर लगाई। चंद्रा उस समय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे। मिस्त्री के मामले से अलग इस बार टाटा संस के पास उत्तराधिकारी की घोषणा करने के लिए सात महीने का समय है।

कानून के जानकारों का कहना है कि अगर चयन समिति किसी वजह से किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाती है तो जरूरी हालात को देखते हुए नोएल टाटा कंपनी के अंतरिम चेयरमैन बन सकते हैं। मिस्त्री को अचानक हटाए जाने के बाद 2016 में रतन टाटा ने टाटा संस के अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था। सुप्रीम कोर्ट में वकील एच पी रनिना ने कहा कि सबसे अहम बात तलाश या चयन समिति का गठन है। यह समिति व्यक्ति का नाम तय करेगी और फिर उसकी सिफारिश टाटा संस के बोर्ड से की जाएगी। वकीलों ने इस बात का भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखरन ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि वे फरवरी 2027 में दोबारा नियुक्ति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को सेबी का नोटिस, कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से नोटिस मिला है। यह नोटिस दिसंबर 2023 में छोटे पर्सनल लोन को लेकर कंपनी की घोषणा के समय से जुड़ा है। कंपनी ने बुधवार देर रात इसकी जानकारी दी। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा और सीएफओ मधुर देवड़ा समेत कंपनी के कुछ प्रमुख अधिकारियों को मंगलवार को सेबी का शो-कॉज नोटिस मिला। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

पेटीएम ने 6 दिसंबर 2023 को बताया था कि वह 50,000 से कम के पर्सनल लोन देने की संख्या कम करेगी। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से पर्सनल लोन से जुड़े नियमों को सख्त किए जाने के बाद लिया गया था। आरबीआई ने इससे करीब तीन सप्ताह पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे और असुरक्षित पर्सनल लोन पर पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ाई थीं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे छोटे कर्ज से जुड़े जोखिम को नियंत्रित करना था।

पेटीएम की घोषणा के अगले कारोबारी दिन कंपनी के शेयर में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि कंपनी के मुताबिक घोषणा से पहले के आठ कारोबारी दिनों में भी पेटीएम के शेयर करीब 12 फीसदी गिर चुके थे। सेबी का नोटिस मुख्य रूप से इस बात से जुड़ा है कि पेटीएम ने छोटे पर्सनल लोन कम करने की जानकारी बाजार को किस समय दी थी। नियामक इस मामले में कंपनी और उसके अधिकारियों से उनका पक्ष जानना चाहता है। शो-कॉज नोटिस का मतलब यह है कि सेबी ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। यह अपने आप में किसी गलती या नियम उल्लंघन का अंतिम निष्कर्ष नहीं है। अगर जांच में नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो संबंधित लोगों या संस्थाओं पर जुर्माना या अन्य नियामकीय कार्रवाई हो सकती है।

भारतीय महिलाओं को उनकी आर्थिक यात्रा के हर चरण में सहयोग देने के लिए हुआ लॉन्च 'आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर'

रांची: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर लॉन्च किया है। यह खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार किया गया एक कॉम्प्रिहेंसिव टर्म प्लान है। इस प्लान को लाइफ इंश्योरेंस के साथ हेल्थ और वेलनेस फायदों को जोड़कर महिलाओं की बदलती सुरक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर महिलाओं के जीवन के अहम पड़ावों पर उन्हें मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए कई खास सुविधाएँ प्रदान करता है। इसमें 15% लाइफटाइम प्रीमियम डिस्काउंट, महिला-विशेष हेल्थ मैनेजमेंट और वेलनेस सेवाएँ और प्रेग्नेंसी ब्रेक फीचर जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जिससे महिलाएँ प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी प्रीमियम किश्तों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकती हैं। इसके अलावा, यह प्लान चाइल्ड एजुकेशन केयर भी प्रदान करता है, जिसमें 10 साल तक हर साल बढ़कर मिलने वाली इनकम का लाभ मिलता है। इस ऑप्शन के तहत नॉमिनी को मिलने वाला डेथ बेनिफिट अगले 10 सालों तक हर साल 10% बढ़कर नियमित आय के रूप में मिलता है।

इस लॉन्च के बारे में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, श्री विकास गुप्ता ने कहा, ₹भारतीय महिलाएँ कई भूमिकाएँ निभाती हैं। इस वजह से उनकी वित्तीय योजना की जरूरतें अलग होती हैं और जीवन के अलग-अलग चरणों में बदलती रहती हैं। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर को व्यापक सुरक्षा देने के साथ ही उनकी अनोखी स्वास्थ्य और वेलनेस जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। लाइफ इंश्योरेंस के साथ प्रेग्नेंसी ब्रेक और लाइफटाइम डिस्काउंट जैसी सुविधाओं को जोड़कर हम एक ऐसा समाधान दे रहे हैं, जो महिलाओं को उनके वित्तीय भविष्य और सेहत दोनों को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

एफडीए ने डोमिनोज के चार आउटलेट्स फूड बिजनेस के लाइसेंस किए निलंबित

पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई में कमियां मिलीं

मुंबई, ।

महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के उल्लंघन के मामले में राज्य के एफडीए ने डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट्स के फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन आउटलेट मुंबई और एक सतारा जिले में है। महाराष्ट्र एफडीए के प्रमुख एआईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में चेन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। एफडीए की टीमों ने अलग-अलग आउटलेट्स का निरीक्षण कर वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों की जांच की।एफडीए ने बताया कि चेन रेस्टोरेंट के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के दौरान विले पार्ले वेस्ट, बोरीवली वेस्ट और घाटकोपर वेस्ट के आर-सिटी मॉल में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट्स के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। एफडीए ने कहा कि विले पार्ले के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में एफएसएसएआई लाइसेंस दिखाने, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई की सुविधाओं से जुड़ी कमियां पाई गईं। साथ ही, उन्हें फ्रोजन फूड के तापमान की सही निगरानी, खाने और खाने-पीने की चीज़ों के अलावा दूसरी चीजो को अलग-अलग रखने, चूहों और कीड़ों से बचाव और हाथ धोने व साफ-सफाई की उचित सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।एफडीए ने कहा कि बोरीवली आउटलेट में 15 फीसदी नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

श्रावणी मेला के 14 दिनों में बाबा बैद्यनाथ पर 28.33 लाख कांवरियों ने किया जलार्पण

बिभा संवाददाता

देवघर। मासव्यापी श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब लगातार जारी है। मेला के 14 दिनों में 28 लाख 33 हजार 634 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया। इनमें बाह्य और आंतरिक अर्घा के माध्यम से जलार्पण करने वाले श्रद्धालु शामिल हैं।

श्रावणी मेला से संबंधित पिछले सप्ताह की व्यवस्थाओं और उपलब्धियों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने मेला से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े और व्यवस्थाओं की जानकारी मीडिया के समक्ष साझा की।

उपायुक्त ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं से विभिन्न मदों में 03 करोड़ 55 लाख 39 हजार 889 रुपये की आमदनी हुई है। इसके अलावा परिवहन विभाग की ओर से अन्य राज्यों में निबंधित व्यावसायिक वाहनों से राज्य प्रवेश शुल्क के रूप में 38 लाख 77 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है।

उन्होंने बताया कि पेड़ा, सिंदूर सहित अन्य व्यवसायिक गतिविधियों से प्राप्त आय को जोड़ने पर संबंधित मदों से 02 करोड़ 03 लाख 71 हजार रुपये की प्राप्ति हुई है। वहीं अस्थायी विद्युत कनेक्शन से 55 लाख 29 हजार 810 रुपये की आमदनी हुई है।

नगर निगम की ओर से भी श्रावणी मेला के दौरान विभिन्न मदों से 02 करोड़ 59 लाख 36 हजार रुपये की आय की जानकारी दी गई। इसमें अंतरराज्यीय बस पड़ाव, शौचालय सहित अन्य मदों से प्राप्त राजस्व शामिल है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी प्रवीण पुष्कर ने श्रावणी मेला के दौरान पुलिसिंग और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। व्यवस्था के दौरान सामने आई कमियों को भी चिन्हित कर उन्हें दूर करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलार्पण सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

मौके पर स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने मेला के दौरान उनके विभाग की ओर से की गई व्यवस्थाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। नगर आयुक्त सुलोचना मीणा ने नगर निगम द्वारा स्वच्छता, शौचालय, बस पड़ाव सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी साझा की।

मौके पर उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां, एसपी प्रवीण पुष्कर, डीडीसी पीयूष सिन्हा, डीपीआरओ रवि कुमार, नगर आयुक्त सुलोचना मीणा, डीपीआरओ राहुल भारती सहित जिला प्रशासन के कई वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा की विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता : शशि प्रकाश

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड और झारखंड स्टैटिस्टिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में प्रो प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्म दिवस के अवसर पर गुरुवार को नामकुम स्थित आरसीएच कॉन्फ्रेंस हॉल में दो दिवसीय डेटा क्वालिटी वर्कशॉप शुरू हुई।

इस अवसर पर अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता है। गलत या अधूरे आंकड़ों के आधार पर नीतियां और निर्णय भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने ब्लॉक और जिला स्तर से डेटा संग्रह को पारदर्शी एवं सटीक बनाने पर जोर दिया।

मौके पर झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलपति प्रो डॉ डीके सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के विश्लेषण में विश्वविद्यालय की सहभागिता की पेशकश की।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का डेटा उपलब्ध कराया जाए तो विश्वविद्यालय के एमटेक और डेटा एनालिसिस के विद्यार्थी उस पर शोध कर सकते हैं। उन्होंने डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित रखने की बात कही।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के आंकड़ों को एकीकृत कर रियल-टाइम निर्णय लेने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। जिला डेटा मैनेजरों को डेटा सुधार, सर्वर मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग सिस्टम बेहतर बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला का समापन 14 अगस्त को होगा। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के डेटा मैनेजर, सांख्यिकी अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस पर मेट्रो सेवाएं सुबह चार बजे से शुरू होगी : डीएमआरसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले खास मेहमानों, आमंत्रित लोगों और आम जनता की आवाजाही को आसान बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) अपने पूरे नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से शनिवार सुबह 4:00 बजे मेट्रो सेवाएं शुरू करेगा। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए गुरुवार को दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक 15 अगस्त दिन के तय टाइम-टेबल के अनुसार, रेगुलर सर्विस शुरू होने तक सभी लाइनों पर मेट्रो सेवाएं 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। खास मेहमानों और सही आमंत्रित लोगों के लिए बिना किसी परेशानी के यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए डीएमआरसी ने रक्षा मंत्रालय को 1,30,000 खास पहले से जारी क्यूआर टिकट उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वैध फिजिकल एडमिट कार्ड वाले आमंत्रित लोगों को उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए तय मेट्रो स्टेशनों पर खास पहले से जारी क्यूआर टिकट दिए जाएंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल के सबसे पास के स्टेशन हैं। इन खास क्यूआर टिकटों का इस्तेमाल करके की गई यात्रा का खर्च रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को वापस किया जाएगा।

कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स में स्वतंत्रता पर्व का भव्य आयोजन

रांची। आजादी की 80वीं वर्षगांठ एवं कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के स्थापना के रजत जयंती वर्ष (2001झ्र2026) के उपलक्ष्य में कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स, डोरंडा केंद्र एवं कलाकृति आर्ट फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में ह्लस्वतंत्रता पर्वह्व का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी श्री रमेश सिंह, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती मोनिका डे एवं श्रीमती मीनू चौधरी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन हर्षिता ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में देशभक्ति एवं स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित 200 से अधिक चित्रों की प्रदर्शनी रही। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई इन कलाकृतियों में देशप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावनाओं को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने नृत्य, संगीत, फैंसी ड्रेस एवं वाद्य यंत्र वादन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विवान, अनुबा, गरिमा, अद्विका सहित अन्य विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, झांसी की रानी सहित विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों का रूप धारण कर देशभक्ति की भावना को जीवंत किया। कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए भी तिरंगा थीम ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को संस्था की ओर से पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि श्री रमेश सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में देशप्रेम, अनुशासन एवं चरित्र निर्माण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कला और सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरणादायक होती हैं। इस अवसर पर संस्था के निदेशक एवं कला शिक्षक श्री धनंजय कुमार ने विद्यार्थियों को एकता, शांति और आपसी सद्भाव के साथ रहने का संदेश दिया। उन्होंने सभी से ह्लहर घर तिरंगाह्व अभियान को सफल बनाने तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने का आग्रह किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की उपनिदेशिका श्रीमती रजनी कुमारी, अजय, कोमल, शिखा, हर्षिता, तन्वी, अर्चना, जया, निजात, अनिया, मनस्वी, अमीषा, रिंकी, प्रियम सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गौरतलब है कि कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स, डोरंडा एवं हटिया विगत 25 वर्षों से विभिन्न आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं को चित्रकला एवं ललित कला की शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्था द्वारा बच्चों में कला के साथ-साथ रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाता है। इच्छुक छात्र-छात्राएं किसी भी समय संस्था में प्रवेश ले सकते हैं। यह जानकारी कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के निदेशक एवं कला शिक्षक श्री धनंजय कुमार ने दी।

राज्यपाल के स्वागत को तैयार दुमका, स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले फाइनल रिहर्सल

बिभा संवाददाता

दुमका। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे। राज्यपाल शुक्रवार को दुमका पहुंचेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है।

गुरुवार को पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। अंतिम पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त ने परेड, झंडोत्तोलन, सुरक्षा व्यवस्था सहित समारोह से जुड़ी अन्य तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने और मुख्य समारोह को गरिमापूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने का निर्देश दिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न पुलिस इकाइयों के साथ एनसीसी और स्काउट-गाइड की टुकड़ियां भी परेड में हिस्सा लेंगी। समारोह में कुल 14 टुकड़ियां शामिल होंगी। इनमें जिला और पुलिस बल की विभिन्न टुकड़ियों के अलावा पुलिस ट्रेनिंग से जुड़े बल, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड की टुकड़ियां शामिल हैं। पुलिस एकेडमी की बैंड पार्टी भी समारोह का हिस्सा होगी। परेड के फर्स्ट इन कमांड सहायक पुलिस अधीक्षक चास-बोकारो वेदांत शंकर होंगे, जबकि सेकंड इन कमांड अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर दुमका दिलीप खलखो होंगे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के 14 अगस्त को दुमका आगमन को लेकर जिला और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं। उनके आगमन से लेकर स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह तक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं। समारोह स्थल पर मैदान की साज-सज्जा, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रशासन की ओर से अतिथियों और आम लोगों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है

उज्जैन: नागपंचमी पर 24 घंटे के लिए खुलेगा नागचंद्रेश्वर मंदिर, साल में सिर्फ एक बार दर्शन

एजेंसी

उज्जैन। इस साल नागपंचमी का पर्व 17 अगस्त को मनाय जाएगा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर के शीर्ष पर स्थित भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के पट पूरे एक साल बाद खोले जाएंगे। इस बार का संयोग बेहद अद्भुत है, क्योंकि नागपंचमी के दिन ही सावन का तीसरा सोमवार भी है।

श्रद्धालुओं को एक ही दिन भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के साथ-साथ बाबा महाकाल की दिव्य सवारी का पुण्य लाभ भी मिलेगा। इस दुर्लभ संयोग के चलते धार्मिक नगरी उज्जैन में लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने का अनुमान है। प्रशासन और मंदिर समिति ने आस्था के इस महाकुंभ को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की है।

दरअसल, महाकालेश्वर मंदिर परिसर में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट साल मे सिर्फ एक बार नागपंचमी के अवसर पर 24 घंटे के खुलते हैं। इस बार सावन का तीसरा सोमवार और नागपंचमी एक साथ मनाई जाएगी। इस दौरान नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट 16 अगस्त रात 12 बजे से 17 अगस्त की रात 12 बजे तक खुले रहेंगे। इसी दिन भगवान महाकाल की सवारी भी निकलेगी। इस संयोग के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। गुरुवार से नागचंद्रेश्वर मंदिर में शीघ्र दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। श्रद्धालु 300 रुपये शुल्क जमा कर नागचंद्रेश्वर मंदिर में शीघ्र दर्शन के लिए बुकिंग करा सकते हैं। इसके लिए श्रद्धालु महाकाल मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर मोबाइल नंबर डालकर पहले पासवर्ड बनाएंगे। इसके बाद रात 12 बजे से अगले 24 घंटे के लिए 11 अलग-अलग स्लॉट दिखाई देंगे। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट चुनकर शीघ्र दर्शन की बुकिंग करा सकेंगे। बुकिंग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी।

टाडा के तहत आरोपित आतंकी अल्ताफ हुसैन शेख गिरफ्तार

एजेंसी

जम्मू। जम्मू रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने 35 साल की लंबी खोजबीन के बाद 'टेररिस्ट एंड डिसरप्टिव एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट' (टाडा) के तहत आरोपित और फरार चल रहे आतंकवादी अल्ताफ हुसैन शेख को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया आतंकी नजीर अहमद शेख का बेटा है और अनंतनाग के मरहामा-बिजबेहारा का रहने वाला है।

वह पहले अंडरग्राउंड हो गया था और फिर कई दशकों तक अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। आरोपित अपने साथियों के साथ मिलकर 2 अप्रैल 1991 को जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर हुए बम धमाके में शामिल है। इस घटना में पैरामिलिट्री फोर्स के दो जवानों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी और 18 आम नागरिक घायल हुए थे।

जीआरपी पुलिस स्टेशन जम्मू में एफआईआर नंबर 07/1991 (धारा 307, 302, 120(बी) आईपीसी, 3/4 टीएडीए, 4/5 एएसए के तहत) दर्ज की गई थी। जांच के दौरान एक आरोपित अमान उल्लाह खान को गिरफ्तार किया गया था जबकि तीन अन्य आरोपित भाग निकले थे। उस समय उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। संबंधित अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था।

पिछले दो सालों में जीआरपी जम्मू ने आरोपित अल्ताफ हुसैन शेख को पकड़ने के लिए सघन अभियान चलाया। पुलिस ने उसकी पहचान और पते की बारीकी से जांच कर- के उसकी पहचान की पुष्टि की और पाया कि वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। बिजबेहारा इलाके में एक सफल व्यवसायी के तौर पर स्थापित हो गया था।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल, ड्रोन पर रोक

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। समारोह स्थल पर बिना अनुमति ड्रोन से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल अधिकृत विभागीय स्तर से ही ड्रोन के जरिए वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी कराई जा सकेगी।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली सभी औपचारिक गतिविधियों का अभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 15 अगस्त को यहां ध्वजारोहण करेंगे।

समारोह की सुरक्षा और संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे समय पर अपने निर्धारित स्थल पर पहुंचे और निर्धारित जिम्मेदारियों को निभाएं। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया और कहा कि समारोह में आने वाले सभी लोगों की सघन जांच की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक सामग्री के साथ कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अधिकारियों ने परेड की सलामी ली। समारोह में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, ओडिशा पुलिस, झारखंड जगुआर, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची जिला पुलिस, झारखंड गृहरक्षा वाहिनी और एनसीसी के बालक-बालिका प्लाटून शामिल होंगे। जैप-1, जैप-10 और गृहरक्षा वाहिनी की बैण्ड पार्टियां भी समारोह में भाग लेंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में फर्स्ट इन कमांड 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी राघवेंद्र शर्मा होंगे, जो वर्तमान में रामगढ़ जिले में पदस्थापित हैं। सेकेंड इन कमांड परिचारी प्रवर द्वितीय अनिश मोमिन कुजूर होंगे।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अधिकारियों को अपने कार्य, दायित्व और प्रतिनियुक्ति स्थल की पूरी जानकारी रखने का निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य अतिथियों के आगमन की व्यवस्था समय पर पूरा करे।

अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रियों को दिखाया रेलवे का वार रूम, एआई से हो रही लाइव निगरानी

बिहान भारत

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को रेलवे के ह्यवार रूमह्व की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस दौरान मंत्रियों ने लाइव स्टेशन फीड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रणालियों और परिचालन संबंधी आंकड़ों के जरिए रेलवे गतिविधियों की निगरानी की व्यवस्था को देखा।

रेल मंत्री ने बताया कि ह्यवार रूमह्व से रेलवे स्टेशनों की लाइव फीड देखी जा सकती है। इसमें प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज और स्टेशन के बाहर के क्षेत्रों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकती है। नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन जैसे प्रमुख स्टेशनों की लाइव फीड एक केंद्रीय स्थान से मॉनिटर की जा सकती है।

प्रणाली में अधिकारियों को किसी विशेष स्थान की स्थिति का बारीकी से जायजा लेने के लिए अलग-अलग कैमरा फीड को जूम करने की सुविधा भी उपलब्ध है। एआई आधारित प्रणाली निर्धारित संकेतों के आधार पर जानकारी उपलब्ध करा सकती है कि किसी विशेष स्थान पर क्या हुआ। इससे अधिकारियों को किसी घटना को तेजी से समझने और उसके अनुसार कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

रेलवे के ह्यवार रूमह्व का इस्तेमाल भीड़भाड़ वाले समय, त्योहारों और अधिक यात्री आवागमन वाले अवसरों पर विभिन्न स्टेशनों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा सकता है। इससे यात्रियों की संख्या और उनके आवागमन में होने वाले बदलावों की निगरानी में मदद मिलती है।

यह प्रणाली ट्रेनों की आवाजाही और उनके विलंब की भी निगरानी करती है। अधिकारी यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सी ट्रेन देरी से चल रही है और देरी का कारण क्या है। उपलब्ध जानकारी के आधार पर रेलवे की टीमें स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई कर सकती हैं, ताकि देरी को आगे बढ़ने से रोका जा सके।

दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने रेलवे के ह्यवार रूमह्व में लाइव स्टेशन फीड, एआई आधारित विश्लेषण और ट्रेन परिचालन संबंधी आंकड़ों के माध्यम से रेलवे परिचालन की निगरानी की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

आईसीएमआर-एसएचआईएनई: हजारों छात्रों ने करीब से जाना विज्ञान और स्वास्थ्य अनुसंधान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) की ओर से आयोजित दो दिवसीय आईसीएमआर-एसएचआईएनई 2026 कार्यक्रम का 11-12 अगस्त को समापन हुआ। देशभर में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 9 से 12 तक के हजारों विद्यार्थियों को बायोमेडिकल और सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान को करीब से समझने का अवसर मिला। आईसीएमआर-एसएचआईएनई का आयोजन देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 83 स्थानों पर किया गया। कार्यक्रम को महानगरों तक सीमित न रखते हुए जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम और अंडमान सहित दूरदराज क्षेत्रों तथा झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वैज्ञानिकों से संवाद किया और विभिन्न प्रयोगशालाओं में आयोजित गतिविधियों में हिस्सा लिया।

नागपुर और गोरखपुर में छात्रों को मोबाइल बीएसएल -3 प्रयोगशालाओं को करीब से देखने का अवसर मिला। वहीं, कई केंद्रों पर लाइव वैज्ञानिक प्रदर्शन, पोस्टर वॉक, बीएमआई की गणना और प्रयोगशाला स्वच्छता से जुड़ी व्यावहारिक गतिविधियां आयोजित की गईं। दिल्ली में युवा नवाचारकताओं ने अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से विकसित सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े समाधान भी प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में आईसीएमआर के आधिकारिक मैस्कॉट ह्यडॉ. क्यूरियोह्व के जरिए वैज्ञानिक विषयों को विद्यार्थियों के लिए रोचक और आसान बनाने का प्रयास किया गया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com